दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-166 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 08 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

हिमाचल में मानसून का कहर

142 लोगों की मौत, 797 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान; 11 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून लगातार तबाही मचा रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन और सड़क दुर्घटनाओं के कारण प्रदेश में अब तक 142 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 224 लोग घायल हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 30 जून से 6 अगस्त 2026 तक मानसूनी आपदाओं से प्रदेश को करीब 797.87 करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने राज्य में 11 अगस्त तक कई स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी करते हुए नारंगी चेतावनी जारी की है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक शोभित कटियार के अनुसार 10 और 11 अगस्त को प्रदेश के कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 10 अगस्त को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर जिलों के लिए नारंगी चेतावनी जारी की है। वहीं 11 अगस्त को चंबा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।इसके अलावा 7 अगस्त को बिलासपुर और कांगड़ा में भारी बारिश को लेकर पीली चेतावनी जारी की गई है। 8 और 9 अगस्त को कांगड़ा तथा सिरमौर में भी भारी बारिश की आशंका है। 10 अगस्त को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन, सिरमौर और किन्नौर जिलों के लिए पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार 12 अगस्त के बाद बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आने की संभावना है, हालांकि कुछ क्षेत्रों में तेज बारिश जारी रह सकती है।

शी जिनपिंग के दौरे से पहले भारत-चीन में सीमा वार्ता, कई मुद्दों पर बनी सहमति

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत और चीन के बीच सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय कार्य तंत्र की 36वीं बैठक में दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए सीमा से जुड़े लंबित मुद्दों के समाधान तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में राजनयिक एवं सैन्य स्तर पर संवाद जारी रखने तथा गलतफहमियों और गलत आकलन से बचने के लिए मौजूदा तंत्र का प्रभावी उपयोग करने पर भी जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार बैठक के दौरान दोनों देशों ने सीमांकन, सीमा प्रबंधन, संस्थागत तंत्र के सुदृढ़ीकरण तथा सीमा पार सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर मौजूदा स्थिति की खुलकर समीक्षा की और इस बात पर सहमति जताई कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू ज़िले में लगातार बारिश के कारण ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है, इसलिए ट्रकों को सुरक्षित जगहों पर खड़ा किया गया है।

झारखंड प्रदर्शनः एआईएसए अध्यक्ष नेहा बोरा पर स्याही फेंकी, भूख हड़ताल पर बैठे छात्र की तबीयत बिगड़ी

रांची, (आरएनएस)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा रद्द करने तथा जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती प्रक्रिया में सुधार की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन शुक्रवार को 14वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन को समर्थन देने के लिए अखिल भारतीय छात्र संघ (आइसा) के कार्यकर्ता विधानसभा घेराव के लिए निकले। इस दौरान आइसा की प्रदेश अध्यक्ष नेहा बोरा पर एक युवक ने स्याही फेंक दी। पुलिस ने आरोपी युवक को तत्काल हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़ा हुआ है। इधर, अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे छात्र राहुल क्रांति की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रांची जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जेपीएससी-जेएसएससी सुधार मंच के विनय मेहता ने बताया कि राहुल पिछले चार दिनों से केवल पानी के सहारे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर थे। शुक्रवार सुबह अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।स्याही फेंकने की घटना के बाद नेहा बोरा ने कहा कि वह इस तरह की हरकतों से डरने वाली नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुए छात्र आंदोलनों के दौरान वह पेलेट गन और लाठीचार्ज का सामना कर चुकी हैं। उनका कहना था कि स्याही फेंककर देशभर के छात्रों और युवाओं के गुस्से को दबाया नहीं जा सकता।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान

जन सेवा में संवेदनशीलता ही सुशासन की पहचान : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री ने की आमजनों की लंबित शिकायतों की सुनवाई

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शुभारंभ करते हुए छिंदवाड़ा जिले के कलेक्ट्रेट में आमजन की समस्याओं को सुना। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबित शिकायतों की आवेदकों की उपस्थिति में एक-एक कर समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। समीक्षा के दौरान जिन प्रकरणों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही सामने आई, उन पर उन्होंने तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही पात्र हितग्राहियों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराते हुए योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को छिंदवाड़ा कलेक्ट्रेट के कार्यक्रम में जिले की प्रेरक प्रतिभाओं से आत्मीय संवाद किया। कृषि, नवाचार, खेल, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण पर्यटन, उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रतिभागियों ने अपनी सफलता की कहानियां मुख्यमंत्री के साथ साझा कीं। मुख्यमंत्री ने उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतिभाएं मध्यप्रदेश के विकास की वास्तविक शक्ति हैं और समाज के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में विभागवार समीक्षा

करते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति तथा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने राजस्व, नल-जल, ऊर्जा, पुलिस सहित सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिकायत करने की नौबत नहीं आनी चाहिए। प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शी, संवेदनशील एवं जवाबदेह तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ड्रॉप-आउट बच्चों को पुन: विद्यालयों में प्रवेश दिलाने, सभी शिक्षकों की शत-प्रतिशत ई-अटेंडेंस सुनिश्चित करने तथा सायबर अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावितों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण ही सुशासन की सबसे बड़ी पहचान है तथा प्रत्येक अधिकारी को जनसेवा के प्रति संवेदनशील और जवाबदेह कार्यशैली अपनानी होगी।

सम्मान निधि का लाभ नहीं, तहसीलदार और पटवारी निलंबित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में मीना बंजारा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई। समीक्षा में पाया गया कि परासिया तहसील के संबंधित पटवारी द्वारा गलत प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने के कारण आवेदिका योजना के लाभ से वंचित रही। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मामले को गंभीर मानते हुए परासिया तहसील के संबंधित पटवारी एवं तहसीलदार को निलंबित करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता के माध्यम से आवेदिका को एक वर्ष की सहायता राशि प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

पोर्टल पर त्रुटिपूर्ण जानकारी, छिंदवाड़ा सीएमओ तत्काल प्रभाव से निलंबित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्रीमती सीमा तुमराम ने बताया कि उन्होंने प्रसूति सहायता राशि नहीं मिलने की शिकायत की थीं। जांच में सामने आया कि पोर्टल पर दर्ज त्रुटिपूर्ण जानकारी के कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल सका। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने इसे विभागीय लापरवाही मानते हुए संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी छिन्दवाड़ा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्रीमती मानवती वर्मा ने बताया कि वर्ष 2022 में पति संतोष वर्मा की मृत्यु के बाद उन्हें पात्रता अनुसार मुख्यमंत्री संबल योजना अंतर्गत अंत्येष्टि एवं अनुग्रह सहायता राशि नहीं मिली, जिसकी उन्होंने सीएम हेल्पलाईन में शिकायत दर्ज कराई थीं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चौरई तथा श्रम अधिकारी की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए।

थलापति विजय की पत्नी संगीता ने वापस ली तलाक की याचिका, पारिवारिक विवाद पर लगा विराम

चेन्नई ,(आरएनएस)। अभिनेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय की पत्नी संगीता ने अदालत में दायर अपनी तलाक की याचिका वापस ले ली है। लंबे समय से कानूनी और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी इस अर्जी के वापस होने के बाद इस पारिवारिक विवाद पर विराम लग गया है, जिसके बाद विजय के समर्थकों ने राहत की सांस ली है। इस घटनाक्रम के सामने आते ही राजनीतिक हलकों और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। विजय की पत्नी संगीता स्वर्ण लिंगम ने अपनी तलाक की याचिका वापस ले ली है। ये मामला चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में दायर किया गया था, जिसे अब अदालत ने आधिकारिक रूप से बंद कर दिया है। संगीता ने अपने पति के खिलाफ बेवफाई और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए ये अर्जी दाखिल की थी। पूर्व में दोनों पक्षों के पेश न होने पर सुनवाई स्थगित कर दी गई थी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र से पूछा- आप जंतर-मंतर विरोध स्थल बंद क्यों नहीं कर देते?

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी के बीचो-बीच जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन के लिए अनुमति देने पर केंद्र सरकार पर सवाल उठाया है। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने शुक्रवार को कहा कि राजधानी के बीच इस तरह के विरोध-प्रदर्शनों के कारण शहर को अनावश्यक रूप से बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि वह विरोध प्रदर्शनों के लिए जंतर-मंतर क्षेत्र को बंद करने पर विचार क्यों नहीं कर रही है।

अंडे से डर? स्वतंत्रता सेनानियों को गोलियों का सामना करना पड़ाः सुप्रीम कोर्ट ने महुआ मोइत्रा से कहा

नई दिल्ली (आरएनएस)। आप एक सांसद हैं- राजनीति में आने के बाद, आपको अंडों से डर लगता है? जब हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी छाती पर गोलियां खाई थीं? सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ये मौखिक टिप्पणियां की, क्योंकि उसने तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें उन्हें हेट-स्पीच मामले में 15 अगस्त को पुलिस के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था.यह मामला जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच के सामने आया. सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने बेंच के सामने सांसद की तरफ से केस लड़ा. बेंच ने साफ कर दिया कि वह हाईकोर्ट के ऑर्डर में दखल नहीं देना चाहती

पटना में एनएच-30 पर सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद बवाल, 10 गाड़ियां फूंकी

पटना,(आरएनएस)। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार वाहन बस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जिसके बाद इलाके में हिंसा भड़क गई। हादसा अगमकुआं थाना क्षेत्र के बड़ी पहाड़ी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-30) पर हुआ है। मृतक की पहचान 26 वर्षीय मनीष कुमार के रूप में हुई है। घटना से गुस्साए लोगों ने एक यात्री बस समेत 10 वाहनों में आग लगा दी और पुलिस पर पथराव भी किया।रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहाड़ी मोहल्ला के रहने वाले मनीष उर्फ उपेंद्र शुक्रवार को एनएच-30 पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार यात्री बस ने मनीष को कुचल दिया और बस चालक मौके से फरार हो गया।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा बाइक से पहुचे मूंग उपार्जन केंद्र, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

उपार्जन केंद्रों पर की जाए बारदाने, तौल कांटे और श्रमिकों की पर्याप्त व्यवस्था

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को डोलरिया तहसील के सोमलवाड़ा स्थित सफल एग्रोटेक वेयरहाउस का निरीक्षण कर मूंग उपार्जन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वेयरहाउस में मूंग फसल की आवक होने के कारण गोदाम तक पहुंचने वाले मार्ग पर अधिक भीड़ और आवाजाही होने से कलेक्टर बाइक पर बैठकर निरीक्षण के लिए वेयरहाउस पहुंचे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने उपार्जन कार्य की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपार्जन कार्य विलंब से प्रारंभ होने पर कलेक्टर ने सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि उपार्जन कार्य समय पर प्रारंभ किया जाए जिससे किसानों द्वारा लाई जा रही उपज को शीघ्र ही तौला जा सके। उन्होंने कहा कि मूंग उपार्जन कार्य प्रतिदिन प्रात: 9:30 बजे से हर हाल में प्रारंभ किया जाए तथा किसी भी परिस्थिति में उपार्जन शुरू होने में विलंब नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्र पर किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए। उन्होंने उपार्जन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए केंद्र पर कम से कम पांच तौल कांटे संचालित करने तथा किसानों की बढ़ती आवक को देखते हुए श्रमिकों की संख्या में भी वृद्धि करने के निर्देश दिए।

दैनिक क्षितिज ✌ किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में

संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

बैरिकेड्स हटाने भोपाल में धरने पर बैठे व्यापारी

आश्वासन के बाद हटे; चौक, लखेरापुरा बाजार में दोपहर तक बंद रही दुकानें

भोपाल (ए.)। भोपाल के मोती मस्जिद के ठीक सामने महीनों से लगे बैरिकेड्स को लेकर शुक्रवार को व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने दुकानें बंद कर दी और सड़क पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका गुस्सा इस बात का है कि बैरिकेड्स लगे होने से परेशानी हो रही है। बावजूद पुलिस इन्हें नहीं हटा रही। दोपहर 2 बजे तक प्रदर्शन किया। पुलिस के आश्वासन के बाद वे हटे। विरोध के चलते व्यापारियों ने चौक बाजार, लखेरापुरा समेत आसपास के बाजार भी दोपहर 2 बजे तक बंद रखे थे। व्यापारी संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन ने बताया कि पुलिस से बैरिकेड्स हटाने की मांग की है। इस संबंध में जनप्रतिनिधियों से भी मांग की गई है। इससे पहले बुधवार को पुलिस और प्रशासन को रैली निकालकर चेतावनी दी गई थी।इस दौरान भोपाल व्यवासायी महासंघ, श्री सराफा एसोसिएशन, फेडरशन ऑफ राजधानी वस्त्र व्यवसायी संघ, ओल्ड भोपाल होलसेल रेडीमेड संघ, आजाद मार्केट व्यावसायी संघ, नदीम रोड व्यापारी संघ, इब्राहिमपुरा व्यापारी संघ के पदाधिकारी भी मौजूद रहे थे।

बैरिकेडिंग की वजह से परेशानी बढ़ी

बता दें कि मोती मस्जिद के सामने इकबाल मैदान चौराहे पर बैरिकेडिंग है। इससे भोज सेतु की तरफ से आने वाले वाहनों को सदर मंजिल, चिरायु हॉस्पिटल होते हुए लखेरापुरा, चौक बाजार, सराफा, जुमेराती, बुधवारा, इब्राहिमगंज समेत अन्य बाजारों की ओर जाना पड़ता है। इससे उनकी परेशानी बढ़ जाती है, जबकि पहले वे सीधे बाजारों में चले जाते थे।

इन्हीं बैरिकेडिंग की वजह से 1 अगस्त को दमकल समय पर चौक बाजार नहीं पहुंच पाई थी। जिससे यहां स्थित 100 साल पुरानी कपड़ा दुकान में लगी आग को बुझाने में समय लग गया था। इसी दिन से व्यापारियों की पुलिस के प्रति नाराजगी देखने को मिल रही थी।

रॉन्ग साइड में गाड़ियां जाती थीं, यह भी थी बैरिकेडिंग की वजह

इधर, पुलिस का कहना है कि कई बार गाड़ियां रॉन्ग साइड में पीर गेट की ओर जाती थीं। इस वजह से हादसे होने का डर बना रहता था। यही कारण है कि यहां पर बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

प्रदेश में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को पर्व के रूप में मनाया जा रहा है : उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह

भोपाल (ए.)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण तथा निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री नारायन सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में पृथ्वीपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बिरौरा-खेत में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक निवाड़ी अनिल जैन, सांसद प्रतिनिधि राजेश पटेरिया, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े, पुलिस अधीक्षक डॉ. राय सिंह नरवरिया एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मंत्री नारायन सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को पर्व के रूप में मना रहे हैं। यह पर्व 7 अगस्त से 8 जनवरी 2027 तक अलग अलग पंचायतों में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शिविरों के माध्यम से समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित एवं प्रभारी निराकरण सुनिश्चित करना, क्षेत्रीय स्तर पर योजनाओं के कियान्वयन की वास्तविक स्थिति का आंकलन करना तथा प्रशासन की संवेदनशील, पारदर्शी एवं उत्तरदायी कार्यप्रणाली सुदृढ़ करना है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 का उद्देश्य शासन प्रशासन को जन सामान्य से सीधे जोड़ते हुए उनकी समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना, क्षेत्रीय स्तर पर योजनाओं के कियान्वयन की वास्तविक स्थिति का आंकलन करना तथा प्रशासन की संवेदनशील, पारदर्शी एवं उत्तरदायी कार्यप्रणाली सुदृढ़ करना है। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में जाकर जनता से सीधा संवाद एवं जुड़ाव एकत्र करना है। उन्होंने कहा कि अभियान में शिकायतों एवं समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण कर फील्ड की वास्तविक स्थितियों का फीडबैक प्राप्त करना है। अभियान में प्रशासन के पर्यवेक्षण तंत्र को सुदृढ़ करना। प्रशासन की पारदर्शी और संवेदनशील छवि का निर्माण करना है।

विधायक निवाड़ी अनिल जैन ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जनकल्याण और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचाना तथा जनता का शासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ करना है।

ब्रिक्स डेलीगेट्स का भोपाल के पर्यटन स्थलों ने मोहा मन

ब्रिक्स डेलीगेट्स ने की प्रदेश की समृद्ध लोक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता की सराहना

भोपाल (निप्र) । मध्यप्रदेश का दिल और झीलों की नगरी भोपाल इन दिनों ऐतिहासिक और गौरवशाली आयोजन का साक्षी बन रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन न केवल देशों के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य कर रहा है, बल्कि 'सर्वे भवन्तु सुखिन: - हार्मनी फॉर ऑल' की पावन भावना को भी जीवंत कर रहा है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ब्रिक्स देशों की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और प्राचीन परंपराओं को एक मंच पर पिरोना, कलात्मक सहयोग को बढ़ावा देना और पारंपरिक मानवीय मूल्यों को विश्व पटल पर स्थापित करना है।भोपाल के पर्यटन स्थलों एवं अनुभव ने ब्रिक्स डेलीगेट्स का मन मोह लिया है। मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा अतिथियों के लिए विशेष भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। डेलीगेट्स ने हैरिटेज वॉक के माध्यम से भोपाल के ऐतिहासिक स्थल गौहर महल, इकबाल मैदान और ऐतिहासिक मोती मस्जिद के वास्तुशिल्प का अनुभव प्राप्त हुआ। प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित होते हुए, डेलीगेट्स ने वन विहार नेशनल पार्क की जैव-विविधता को सराहा और अपर लेक (बड़ा तालाब) में शिकारा की सैर का आनंद लिया।

सरकार के आश्वासन के बाद पटवारी हड़ताल स्थगित:2026 में होगी नायब तहसीलदार विभागीय परीक्षा; पेंडिंग पेमेंट और FIR से पहले जांच के निर्देश

भोपाल (निप्र) । मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने शासन की ओर से मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद अपना आंदोलन स्थगित कर दिया है। राजस्व विभाग ने पटवारियों की पदोन्नति के लिए विभागीय नायब तहसीलदार परीक्षा कराने, लंबित भुगतान जल्द कराने और शिकायतों में प्रारंभिक जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। प्रमुख सचिव राजस्व ने सभी कलेक्टरों को पत्र भेजकर संबंधित विभागों से समन्वय कर पटवारियों और राजस्व कर्मचारियों का लंबित भुगतान कराने को कहा है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के अनुसार, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव के साथ हुई कई दौर की चर्चा के बाद शासन ने उनकी प्रमुख मांगों पर कार्रवाई शुरू की है। इसके बाद संघ की राज्य स्तरीय बैठक में आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया गया। कर्मचारी चयन मंडल (ESB) ने वर्ष 2026 में होने वाली विभागीय नायब तहसीलदार परीक्षा की प्रक्रिया तय कर दी है। इसके साथ ही पटवारियों के स्थानांतरण से जुड़े लंबित मामलों का भी प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा। शासन ने अन्य मांगों पर भी तय समय-सीमा में निर्णय लेने का आश्वासन दिया है। पटवारियों के खिलाफ शिकायतों को लेकर राजस्व विभाग ने प्रक्रिया स्पष्ट की है। अब शिकायत मिलने पर पहले प्रारंभिक जांच की जाएगी। जांच में तथ्य सही पाए जाने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि बिना तथ्यों की पुष्टि किए सीधे कार्रवाई न की जाए। शिकायतों की जांच के बाद ही मामले में आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। मांगों को लेकर पटवारियों ने की हड़ताल। प्रमुख सचिव राजस्व डॉ. ई. रमेश कुमार ने सभी जिला कलेक्टरों को पटवारियों और राजस्व विभाग के मैदानी कर्मचारियों का लंबित भुगतान जल्द कराने के निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग से समन्वय कर अलग-अलग योजनाओं में किए गए कार्यों का भुगतान कराया जाए। कई जिलों में इन योजनाओं के तहत किए गए काम का भुगतान समय पर नहीं हो सका है, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर संभाग आयुक्त श्री शर्मा ने किया राष्ट्रीय कार्यक्रम का शुभारंभ

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (NID MP) में हो रहा है तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम धागा - एक पहचान का आयोजन

भोपाल (ए.)। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2026 के अवसर पर संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने शुक्रवार को अचारपुरा, भोपाल स्थित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश (NID MP) में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम धागा - एक पहचान (Threads of Identity)" का शुभारंभ किया। एनआईडी मध्यप्रदेश एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर श्रीमती सी. सरस्वती, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, भोपाल तथा हसन सिंह मेजी, ट्रस्टी चेयर, मेहर बाबा चैरिटेबल ट्रस्ट (MBCT), पंजाब विशेष रूप से उपस्थित रहे। देश के विभिन्न राज्यों से आए 25 से अधिक शिल्पकार इस आयोजन में अपनी विशिष्ट शिल्प परंपराओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र सहित अनेक राज्यों की विविध हस्तकलाएं एवं वस्त्र परंपराएं शामिल हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की समृद्ध हथकरघा एवं हस्तशिल्प परंपरा को नई पीढ़ी, डिज़ाइन शिक्षा और समाज से जोड़ते हुए शिल्पकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है।

रुक जाना नहीं सहित अन्य परीक्षाओं के परिणाम घोषित, 10वीं में 59.89% एवं 12वीं में 52.44% परीक्षार्थी सफल

भोपाल (निप्र) । मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड, भोपाल द्वारा जुलाई 2026 सत्र की विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए गए हैं। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम www.mp.govt.in, MP eSeva और MP e-Services पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। साथ ही किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए परीक्षार्थी कार्यालय के कंट्रोल रूम दूरभाष 0755-2552106 पर कार्यालयीन समय में संपर्क भी कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बोर्ड द्वारा रुक जाना नहीं योजना, आ लौट चलें योजना, ओपन स्कूल (परम्परागत), आईटीआई 12वीं, सीबीएसई ऑन डिमांड कक्षा 12वीं और कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षाएं 3 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक आयोजित की गई थीं। इन परीक्षाओं में कुल 98,410 परीक्षार्थियों ने भाग लिया था। रुक जाना नहीं योजना की कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 59.89 प्रतिशत और कक्षा 12वीं का परिणाम 52.44 प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणाम बोर्ड द्वारा निर्धारित ऑनलाइन पोर्टलों पर उपलब्ध करा दिए गए हैं।

भोपाल में मछुआरों ने मत्स्य महासंघ कार्यालय को घेरा: लंबित भुगतान को लेकर प्रदर्शन; बड़े आंदोलन की चेतावनी

भोपाल (निप्र) । भोपाल स्थित मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ (सहकारी मर्यादित) के संचालक कार्यालय में गुरुवार को हलाली डैम से जुड़े सैकड़ों मछुआरों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। मछुआरों ने डिफर्ड वेज की राशि, लंबित भुगतान और अधिकारियों की कथित उदासीनता के विरोध में प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने दफ्तर घेर लिया।

मछुआरों का कहना था कि हर वर्ष जुलाई माह में मिलने वाला डिफर्ड वेज का भुगतान इस बार अब तक नहीं किया गया है। इसके अलावा 80-20 नाव-जाल योजना, मीनाक्षी विवाह योजना, मृत्यु सहायता राशि एवं प्रोत्साहन योजना सहित अन्य योजनाओं का भुगतान भी लंबे समय से लंबित है। इससे मछुआरा परिवार गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

मछुआरों ने आरोप लगाया कि भुगतान के लिए उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगवाए जा रहे हैं। कभी नई फाइल, कभी नए दस्तावेज और कभी अधिकारियों की अनुपस्थिति का हवाला देकर उन्हें टाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की स्कूल फीस, किताबें, घरेलू खर्च, बैंक की किस्तें और इलाज जैसी आवश्यक जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। इसके बाद उन्होंने विभाग के सीजीएम रवि गजभिए को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में कहा कि हलाली डैम की मछुआरा समितियों को पूर्व में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया जा चुका है और स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा उनके कार्यों की सराहना की गई है। बावजूद इसके आज वही मछुआरे अपनी मेहनत की कमाई के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को मिली नई दिशा

प्रशिक्षणार्थियों को सॉफ्ट स्किल, मीडिया प्रबंधन एवं सुरक्षा रणनीति का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

भोपाल,(निप्र.)। सिंहस्थ-2028 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के उद्देश्य से पुलिस लाइन कम्युनिटी हॉल, भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवें दिन प्रशिक्षणार्थियों को तनाव प्रबंधन, सॉफ्ट स्किल, सुरक्षा योजना, सोशल मीडिया एवं मीडिया प्रबंधन तथा अस्थायी थानों की कार्यप्रणाली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों द्वारा विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए व्यावहारिक एवं व्यावसायिक रूप से तैयार करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप पुलिस महानिरीक्षक डॉ. विनीत कपूर ने सॉफ्ट स्किल (तनाव प्रबंधन) विषय पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन में पुलिस बल को अत्यधिक दबाव एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी धैर्य, संयम एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना होता है। उन्होंने संकट की परिस्थितियों में शांतचित्त रहकर निर्णय लेने, प्रभावी संवाद स्थापित करने, टीम भावना के साथ कार्य करने तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। साथ ही श्रद्धालुओं, विदेशी पर्यटकों एवं व्हीवीआईपी के साथ शालीन, संवेदनशील एवं पेशेवर व्यवहार अपनाने के महत्व पर विशेष बल दिया।इसके उपरांत नगरीय पुलिस भोपाल के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शैलेन्द्र सिंह चौहान ने सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

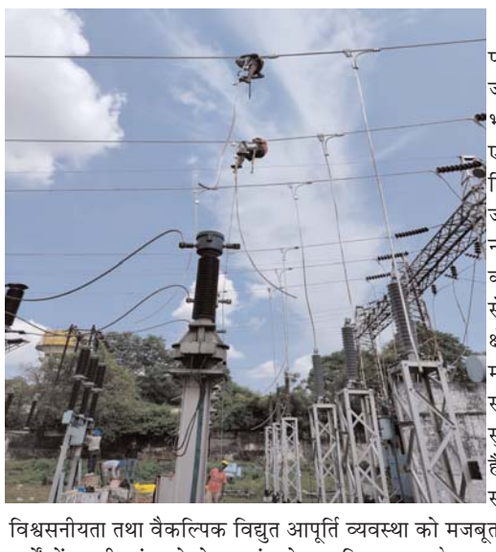

38 वर्ष पुराने 132 केवी विनोबा भावे जबलपुर सब-स्टेशन का हुआ उन्नयन, अब और अधिक विश्वसनीय बनी बिजली आपूर्ति व्यवस्था

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने जबलपुर के 132 केवी विनोबा भावे सब-स्टेशन का रीमॉडलिंग एवं अपग्रेडेशन कार्य पूर्ण कर लिया है। लगभग 38 वर्षों से जबलपुर स्थित मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय, सिविल लाइन्स,रेलवे, कमीशनरी, कलेक्ट्रेट, सिविक सेंटर आदि जैसे अति महत्वपूर्ण क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा यह सब-स्टेशन अब उन्नत तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित हो गया है। उन्नयन कार्य के तहत सबस्टेशन की क्षमता, विश्वसनीयता तथा वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया गया है, जिससे आने वाले वर्षों में बढ़ती मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा।

अपग्रेडेशन के तहत 132 केवी का नया डबल सर्किट फीडर वे निर्मित किया गया तथा बस कप्लर स्थापित किए गए हैं, जिससे सब-स्टेशन की ऑपरेशनल कैपेसिटी में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही पुराने पैंथर कंडक्टर के स्थान पर उच्च क्षमता वाले ज़ेबरा कंडक्टर लगाए गए हैं, जिससे भविष्य में बढ़ने वाले विद्युत लोड को सुगमता से वहन किया जा सकेगा। सबस्टेशन के दोनों पॉवर ट्रांसफार्मरों की रिकंडीशनिंग एवं री-पेंटिंग भी की गई है, जिससे उनकी कार्यक्षमता और उपयोगी आयु में वृद्धि होगी।

जबलपुर क्षेत्र के इस अति महत्वपूर्ण सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति की निरंतरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सब-स्टेशन में 132 केवी की नई ऑग्ज़ीलियरी बस विकसित की गई है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक (डबल) सप्लाई व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त पुराने ब्रेकरों के स्थान पर नवीन तकनीक आधारित ब्रेकर स्थापित किए गए हैं, जो फॉल्ट की स्थिति में त्वरित ट्रिप होकर विद्युत प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। उन्नयन कार्य के दौरान आवश्यक सिविल एवं तकनीकी कार्य भी गुणवत्तापूर्वक संपादित किए गए हैं।

उन्नयन से बड़ी ऑपरेशनल कैपेसिटी

इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद 132 केवी विनोबा भावे सब स्टेशन की विश्वसनीयता, परिचालन दक्षता तथा विद्युत आपूर्ति की निरंतरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। एमपी ट्रांसको के अनुसार यह उन्नयन कार्य भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिससे जबलपुर शहर को लंबे समय तक अधिक सुरक्षित, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जनोन्मुखी पहल - जन विश्वास अभियान

संभागायुक्त तथा उद्योग विभाग के आयुक्त ने मण्डीदीप में उद्योगपतियों और उद्यमियों से किया संवाद औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन पर हुई विस्तृत चर्चा

भोपाल (निप्र) । मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत रायसेन जिले के मण्डीदीप में इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के कार्यालय में भोपाल संभागायुक्तकर्मवीर शर्मा, उद्योग विभाग के आयुक्त दिलीप कुमार तथा कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा उद्योगपतियों के साथ औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के संबंध में संवाद किया गया। भोपाल संभागायुक्त श्री शर्मा ने उद्यमियों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने उद्योगों के विकास, नए निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा शासन की औद्योगिक योजनाओं का अधिकतम लाभ उद्यमियों तक पहुंचाने पर जोर दिया।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, होशंगाबाद रेंज आईजी चन्द्रशेखर सोलंकी भी उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि नवीन उद्योगों की स्थापना, औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने हेतु शासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उद्योग और प्रशासन के बीच निरंतर संवाद से औद्योगिक विकास को नई गति मिलती है। उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकता है, ताकि अधिक से अधिक निवेश आकर्षित हो और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। हमें मिलकर औद्योगिक प्रगति और रोजगार को बढ़ाना है। संभागायुक्त ने कहा कि औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने हेतु इनोवेटिव सोच के साथ काम करें। क्षेत्र में और कौन-कौन सी इंडस्ट्रीज या औद्योगिक इकाईयां स्थापित की जा सकती हैं, इस पर काम करें! जैसे यहां से कच्चा माल अन्य राज्यों में भेजा जाता है, जहां उससे उत्पाद तैयार किए जाते हैं तो उन उत्पादों के निर्माण हेतु यहीं औद्योगिक इकाई शुरू करने की दिशा में काम किया जाए।

काली कमाई के मामले में सौरभ शर्मा के अतिरिक्त 15 से अधिक लोग बनाए जाएंगे आरोपित

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार से 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जुटाने के आरोपित परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के बहुचर्चित मामले में लोकायुक्त संगठन ने विवेचना का काम लगभग पूरा कर लिया है। सितंबर में कोर्ट में आरोप पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है।फिलहाल अभियोजन स्वीकृति बाकी है। इसमें सौरभ के अतिरिक्त 15 से अधिक अन्य लोगों को आरोपित बनाने की तैयारी है।इसमें उसकी पत्नी, मां, दोस्त शरद जायसवाल और चेतन गौर के अतिरिक्त अन्य रिश्तेदार और वे लोग हैं, जिन्होंने सौरभ की काली कमाई को ठिकाने लगाने में मदद की थी। हाई कोर्ट जबलपुर से सौरभ शर्मा को मंगलवार को जमानत मिल गई है। इस कारण भी लोकायुक्त संगठन जल्द से जल्द आरोप पत्र प्रस्तुत करेगा।

बता दें, 19 दिसंबर, 2024 को लोकायुक्त पुलिस ने सौरभ शर्मा के घर और कार्यालय में छापा मारा था। इसके अगले दिन आयकर की टीम को भोपाल के मेंडोरी गांव में एक लावारिस कार से 52 किलो सोना और 11 करोड़ 60 लाख रुपये नकद मिले थे। कार सौरभ के कारोबार में सहयोगी चेतन गौर के नाम पंजीकृत निकली।

भोपाल नगर निगम में बड़ी कार्रवाई, टैक्स वसूली में लापरवाही पर 7 जोनल अधिकारी और 31 वार्ड प्रभारियों की रोकी सैलरी

भोपाल (निप्र) । राजस्व वसूली में लापरवाही बरतने वाले सात जोनल अधिकारी और 31 वार्ड प्रभारियों का वेतन रोक दिया गया है। इसके निर्देश गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय अटल भवन में आयोजित समय-सीमा की बैठक में नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने दिए। इसमें जोन क्रमांक दो, तीन, चार, पांच, 10, 15 तथा 17 के जोनल अधिकारियों एवं इन वार्डों के 31 वार्ड प्रभारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं।बैठक में निगम आयुक्त ने कहा कि निगम सीमा की सभी संपत्तियों का वास्तविक क्षेत्रफल के आधार पर कर निर्धारण किया जाए और कर के दायरे से बाहर संपत्तियों की नई आईडी बनाकर राजस्व बढ़ाया जाए। बैठक में आयुक्त ने संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, लीज रेंट और किराए की बकाया राशि की प्रभावी वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि बकायादारों के खिलाफ कुर्की और तालाबंदी की कार्रवाई की जाए। साथ ही भवन अनुज्ञा के अनुरूप कर निर्धारण नहीं करने और भवनों का सत्यापन लंबित रखने वाले सभी सहायक आयुक्तों एवं राजस्व अधिकारियों (मोहित नागर को छोड़कर) का वेतन भी रोकने के निर्देश दिए। आयुक्त ने सार्वजनिक स्थानों पर बैनर-पोस्टर, दीवार लेखन और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ स्पाट फाइन लगाने, दीवारों की पुताई कर खर्च संबंधित लोगों से वसूलने तथा 2,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र वाले परिसरों को बल्क वेस्ट जनरेटर के रूप में पंजीकृत करने के निर्देश भी दिए।

बिना परमिट-फिटनेस चल रही पांच बस जब्त, 20 हजार का जुर्माना

राजगढ़,त (ए.)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने शुक्रवार को खिलचीपुर और जीरापुर क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। कलेक्टर डॉ. गिरीशकुमार मिश्रा के निर्देश पर जिला परिवहन अधिकारी ज्ञानेन्द्र वैश्य के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान बिना परमिट, बिना फिटनेस और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित हो रही पांच बसों को जब्त किया गया। साथ ही विभिन्न मामलों में 20 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। जांच के दौरान मां सरस्वती एकेडमी, खिलचीपुर के दो वाहन स्कूल बस के रूप में पंजीकृत नहीं पाए गए, जबकि उनसे विद्यार्थियों का परिवहन किया जा रहा था। वाहनों के पास आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं थे। दोनों बसों को जब्त कर थाना खिलचीपुर में सुरक्षित खड़ा कराया गया। इसी तरह मां सरस्वती पब्लिक एकेडमी की एक बस बिना फिटनेस प्रमाण-पत्र के संचालित मिली, जिस पर 5 हजार रुपए का चालान किया गया। वहीं सरदार पटेल विद्यालय, जीरापुर रोड की तीन बसें बिना परमिट और फिटनेस के चलती मिलीं, जिन्हें भी जब्त कर थाना खिलचीपुर में रखा गया। अभियान के दौरान एक यात्री बस निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां लेकर चलती मिली, जिस पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

पत्नी के विवाद से आहत 45 वर्षीय व्यक्ति ने खाया जहर, भोपाल ले जाते समय मौत

राजगढ़,(ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। बगूची मोहल्ले में रहने वाले 45 वर्षीय व्यक्ति की जहरीले पदार्थ का सेवन करने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं मृतक की पत्नी की शिकायत पर एक युवक के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात बगूची मोहल्ले निवासी व्यक्ति ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल नरसिंहगढ़ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे भोपाल रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक अपनी पत्नी से जुड़े विवाद और कथित अवैध संबंधों की आशंका से मानसिक रूप से परेशान था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का छिंदवाड़ा के एफडीडीआई ऑडिटोरियम में पदोन्नत कर्मचारियों द्वारा गज- माला से अभिनंदन किया गया।

औद्योगिक अधोसंरचना का विकास भविष्य की आवश्यकताओं और निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप हो : अपर मुख्य सचिव श्री मंडलोई

मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में वर्किंग वूमेन हॉस्टल, स्पोर्ट्स पार्क एवं फ्लैटेड इंडस्ट्रीज परियोजनाओं का किया निरीक्षण

मंडीदीप,(ए.)। औद्योगिक क्षेत्रों में विकसित की जा रही अधोसंरचना राज्य के औद्योगिक विकास की आधारशिला है। निवेशकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ श्रमिकों एवं कार्यरत महिलाओं के लिए बेहतर कार्य एवं आवासीय वातावरण सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसी दृष्टिकोण के साथ औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने शुक्रवार को मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में संचालित प्रमुख विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। अपर मुख्य सचिव श्री मंडलोई ने मंडीदीप में विकसित किए जा रहे वर्किंग वूमेन हॉस्टल परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना के साइट ले-आउट का विस्तार से अवलोकन किया, जहां आठ हॉस्टल ब्लॉक्स का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर में कार्यरत महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र तथा जिम जैसी सुविधाएं विकसित किए जाने की संभावनाओं का परीक्षण किया जाए, जिससे यह परिसर केवल आवासीय सुविधा तक सीमित न रहकर समग्र सुविधाओं से युक्त आधुनिक परिसर के रूप में विकसित हो सके। अपर मुख्य सचिव ने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में विकसित किए जा रहे स्पोर्ट्स पार्क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में खेल एवं मनोरंजन संबंधी अधोसंरचना कर्मचारियों और श्रमिकों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अमृत सरोवर निर्माण से ग्राम दिवेल में जल संरक्षण और ग्रामीण विकास को मिला नया आयाम

उज्जैन (ए.)। जनपद पंचायत खाचरौद अंतर्गत ग्राम पंचायत दिवेल में जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत अमृत सरोवर का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया है। इस महत्वाकांक्षी कार्य के लिए 24.09 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसके विरुद्ध 21.65 लाख रुपये व्यय किए गए। कई वर्षों से गांव में वर्षा का जल बिना किसी उपयोग के बहकर निकल जाता था तथा गर्मी के दिनों में किसानों एवं ग्रामीणों को पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ता था। निर्मित अमृत सरोवर की जल संरक्षण क्षमता 18,000 घन मीटर है, जिससे आसपास के लगभग 30 किसानों को सिंचाई के लिए प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से अमृत सरोवर निर्माण की मांग की जा रही थी। इसी मांग को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत ने मनरेगा योजना के अंतर्गत प्रस्ताव स्वीकृत कराया। वर्ष 2026 में सरोवर का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया। इसके निर्माण के बाद अब वर्षा जल का प्रभावी संग्रहण संभव होगा, जिससे गांव में जल उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार होने की संभावना है।अमृत सरोवर के निर्माण से भू-जल स्तर में सुधार होगा तथा कुओं और हैंडपंपों में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने से फसल उत्पादन और आय में वृद्धि होगी। गांव में जल संकट से राहत मिलेगी तथा वर्षा जल का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित होगा।

छत्तीसगढ़ से अमरकंटक पहुंचे 500 कांवरिया दल, नर्मदा जल से जलेश्वर महादेव एवं भोरमदेव में करेंगे जलाभिषेक

अनूपपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में श्रावण मास की नवमी तिथि पर शुक्रवार को शिवभक्ति और आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के गौरकापा से लगभग 500 कांवरियों का विशाल दल बाबा रामगिरी धूनी से पारंपरिक वेशभूषा में नाचते-गाते, भजन-कीर्तन करते और 'हर-हर महादेव', 'बोल बम' के जयघोष लगाते हुए अमरकंटक पहुंच कर मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर पवित्र नर्मदा जल कांवड़ में भरा जो शनिवार को भगवान जलेश्वर महादेव धाम में जलाभिषेक, पूजन एवं अर्चन करेंगे। कांवरियों का दल अनुशासित एवं कतारबद्ध होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ पतित पावनी पुण्यसलिला मां नर्मदा के उद्गम स्थल नर्मदा मंदिर परिसर पहुंचा। मंदिर परिसर में विधि-विधानपूर्वक मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर पवित्र नर्मदा जल कांवड़ में भरा गया तथा कांवर यात्रा की विधिवत पूजा की गई।मान्यता है कि मां नर्मदा के पावन जल से भगवान शिव का अभिषेक करना अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। इसी भाव के साथ कांवरियों ने नर्मदा उद्गम से जल ग्रहण कर उसे भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने का संकल्प लिया। श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी तिथी शनिवार को भगवान जलेश्वर महादेव के धाम नर्मदा जल से भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजन एवं अर्चन करेंगे। इसके पश्चात अपने आराध्य देव भगवान भोलेनाथ को नर्मदा जल अर्पित करते हुए गौरकापा-कवर्धा क्षेत्र के प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर में भी जल अर्पित कर पुण्यलाभ अर्जित करेगा। श्रावण मास की इस कांवर यात्रा में श्रद्धा, साधना और लोकभक्ति का अद्भुत संगम दिखाई दिया। कांवड़ उठाए श्रद्धालु जब भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े तो ऐसा प्रतीत हुआ मानो स्वयं नर्मदा की भक्ति-धारा शिवधाम की ओर प्रवाहित हो रही हो।" ? नमः शिवाय" के महामंत्र और "हर-हर महादेव" के उद्घोष से अमरकंटक की आध्यात्मिक वादियां गुंजायमान रहीं।

व्यापार समाचार

रेलवे स्टेशन का 'फ्री वाई-फाई' पड़ा भारी, मोबाइल में वायरस भेजकर बैंक मैनेजर के उड़ाए 4 लाख रुपए

मुंबई (ए.) । आजकल रेलवे स्टेशन या सार्वजनिक जगहों पर 'फ्री वाई-फाई' का बोर्ड देखकर हर कोई झट से अपना मोबाइल कनेक्ट कर लेता है। लेकिन मुफ्त की यह इंटरनेट सेवा अब आपकी गाढ़ी कमाई लूटने का एक खतरनाक जाल बन चुकी है। मायानगरी मुंबई में एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करने की एक छोटी सी गलती के कारण लाखों रुपये का चूना लग गया। यह खौफनाक घटना उन सभी स्मार्टफोन यूजर्स के लिए एक बड़ी चेतावनी है, जो बिना सोचे-समझे पब्लिक वाई-फाई नेटवर्क से जुड़ जाते हैं।

ऐसे रची गई 4 लाख रुपए की हाई-टेक ठगी की साजिश

पुलिस की शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि इस पूरे खेल की शुरुआत स्टेशन के उसी मुफ्त वाई-फाई नेटवर्क से हुई। साइबर अपराधियों ने सबसे पहले एक बैंक के बड़े अधिकारी (जनरल मैनेजर) के निजी सचिव (पर्सनल सेक्रेटरी) को अपने रडार पर लिया। सचिव ने जैसे ही ष्टस्स्ख्र स्टेशन पर मुफ्त वाई-फाई से अपना फोन कनेक्ट किया, हैकर्स ने उनके मोबाइल में एक खतरनाक मैलवेयर (वायरस) प्लांट कर दिया। फोन हैक होने के बाद, ठगों ने सचिव की कॉन्टैक्ट लिस्ट का इस्तेमाल किया और रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस के फर्जी चालान के नाम पर बैंक अधिकारी समेत कई लोगों को एक दुर्भावनापूर्ण एंड्रॉयड एप्लिकेशन फाइल भेज दी। इसी खतरनाक लिंक के जरिए बैंक महाप्रबंधक के क्रेडिट कार्ड का एक्सेस लिया गया और बिना अनुमति के 4.27 लाख रुपये साफ कर दिए गए।

अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भी हुआ पर्दाफाश, गोवा में चल रहा था काला खेल

साइबर ठगी के इस बढ़ते खौफ के बीच, हाल ही में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच (यूनिट 2) ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड सिंडिकेट की भी कमर तोड़ी है। पायधुनी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले की तफ्तीश में पता चला कि फर्जी बैंक खातों और सिम कार्ड के जरिए ऑनलाइन स्कैम और अवैध गेमिंग का यह पूरा कारोबार गोवा से संचालित किया जा रहा था।

वहीं, इस गिरोह को दुबई में बैठे हैंडलर निर्देश दे रहे थे। पुलिस ने पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर गोवा के कैंडोलिम स्थित एक लग्जरी विला पर छापा मारकर 12 आरोपियों को धर दबोचा। इस रैकेट के पास से 15 लैपटॉप, 128 एटीएम कार्ड, 89 मोबाइल फोन, 76 सिम कार्ड और 22 चेक बुक का भारी-भरकम जखीरा बरामद किया गया है।

वैश्विक दबाव में लुढ़का शेयर बाजार, कमजोरी के साथ बंद हुए सेंसेक्स-निफ्टी

- बाजार की कमजोरी के कारण निवेशकों को लगी 1.61 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली, (ए.) । कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण पूरे दिन दबाव में कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, लेकिन बिकवाली दबाव इतना अधिक था कि खरीदारों की कोई भी कोशिश सफल नहीं हो सकी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।बीएसई का सेंसेक्स आज 438.68 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,516.08 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के बीच खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में कुछ देर के लिए मामूली सुधार होता हुआ भी नजर आया।लिवाली के सपोर्ट की वजह से सेंसेक्स आज के ओपनिंग लेवल से 241.32 अंक उछल कर 78,757.40 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन लिवाली का यह दौर अधिक देर तक टिक नहीं सका। कुछ देर बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई।

मार्क जुकरबर्ग को तगड़ा झटका, Meta पर ठोका गया 5,390 करोड़ का जुर्माना

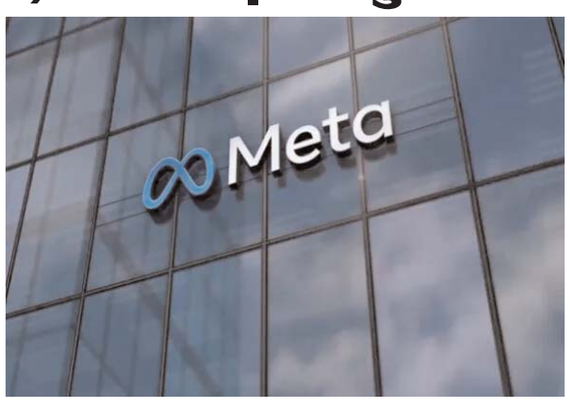

न्यू मैक्सिको (ए.)। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा (Meta) की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भारत में एल्गोरिद्म और कानूनी पचड़ों में फंसी मार्क जुकरबर्ग की कंपनी को अब अमेरिका में एक बहुत बड़ा कानूनी झटका लगा है। न्यू मैक्सिको की एक अदालत ने बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने के गंभीर आरोप में मेटा पर 567 मिलियन डॉलर (करीब 5,390 करोड़ रुपये) का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा है कि फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसी ऐप्स युवाओं को बुरी लत लगा रही हैं और उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए सीधे तौर पर कंपनी की नीतियां जिम्मेदार हैं। इस फैसले के बाद मेटा को अपने प्लेटफॉर्म के काम करने के तरीके में भी बड़े बदलाव करने होंगे।

युवाओं को लग रही लत, कोर्ट ने माना 'पब्लिक न्यूसेंस'

न्यू मैक्सिको के सांता फे में हुई मामले की सुनवाई के दौरान जज ब्रायन बीडशाइड ने डेमोक्रेट अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने माना कि मेटा ने अपने प्रोडक्ट्स को इस तरह से डिजाइन किया है कि युवा यूजर्स इसके आदी हो जाते हैं, जिससे समाज में 'पब्लिक न्यूसेंस' (सार्वजनिक परेशानी) की स्थिति पैदा हो गई है। कंपनी पर यह भी आरोप साबित हुआ है कि वह अपने प्लेटफॉर्म पर बच्चों को यौन शोषण जैसी गंभीर घटनाओं से बचाने में पूरी तरह से विफल रही है।

उपभोक्ता संरक्षण कानून का भी हुआ खुला उल्लंघन

यह ऐतिहासिक फैसला मामले की शुरुआत में न्यू मैक्सिको की जूरी द्वारा मेटा को 375 मिलियन डॉलर का भुगतान करने के आदेश के ठीक पांच महीने बाद आया है। जूरी ने अपनी विस्तृत जांच में पाया था कि कंपनी ने युवा यूजर्स के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम की सुरक्षा को लेकर झूठे दावे किए और गलत जानकारी फैलाई। इसे उपभोक्ता संरक्षण कानून का सीधा और खुला उल्लंघन माना गया, जिसके चलते कंपनी पर यह भारी जुर्माना लगाया गया है।

बदलने होंगे तौर-तरीके, 5 साल तक लागू रहेंगे कड़े नियम

अमेरिका के 40 से अधिक राज्यों और 1,300 से ज्यादा स्कूल डिस्ट्रिक्ट्स ने पहले ही सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ ऐसे 'पब्लिक न्यूसेंस' के मामले दर्ज कर रखे हैं। इस बढ़ते दबाव के बीच, जज बीडशाइड ने मेटा को युवा-सुरक्षा के कड़े उपाय लागू करने का सख्त आदेश दिया है। अब कंपनी को टीनएजर्स द्वारा फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर मंथली कंट्रोल लगाने, नोटिफिकेशन सीमित करने और नाबालिगों के साथ वयस्कों के संपर्क पर कड़ी निगरानी रखने जैसे अहम बदलाव करने होंगे।

बिहारी लाल इंजीनियरिंग का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 271-285 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली,(ए.)। बिहारी लाल इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 12 अगस्त को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 14 अगस्त तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 271-285 रुपये प्रति शेयर तय किया है।इंजीनियरिंग कास्टिंग और मिश्रधातु इस्पात उत्पाद बनाने वाली कंपनी बिहारी लाल इंजीनियरिंग लिमिटेड के 10 फेस वैल्यू वाले इस निर्गम में 93 करोड़ रुपये तक के 33 लाख नए शेयर जारी होंगे। साथ ही 208.62 करोड़ रुपये के 73.20 लाख शेयर मौजूदा शेयरधारकों की ओर से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) में बिक्री के लिए रखे जाएंगे। कंपनी की योजना इस इश्यू से 302 करोड़ रुपये जुटाने की है।कंपनी ने बताया कि इस निर्गम का 50 फीसदी हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी), 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) और शेष 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है।

पश्चिम एशिया में तनाव के चलते लाल हुआ बाजार, सेंसेक्स 456 अंक गिरा; निवेशकों के 1.60 लाख करोड़ साफ

मुंबई(ए.)। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वित्तीय सेवाओं और बैंक शेयरों में गिरावट के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर नए सिरे से बनी अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने मध्य पूर्व में संभावित शांति समझौते पर संदेह पैदा कर दिया, जिसके चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क दबाव में रहे।बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.59 अंकों यानी 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,499.17 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 65.35 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 24,570.65 पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.22 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.05 प्रतिशत की गिरावट आई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, तो वहीं निफ्टी ऑटो और निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी मेटल और निफ्टी पीएसयू बैंक में भी तेजी देखने को मिली। निफ्टी50 इंडेक्स में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टीसीएस, हिंडाल्को, एमएंडएम, एचसीएल टेक और एसबीआई के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और श्रीराम फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे। इस बीच, मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि शुक्रवार के सेशन में प्रमुख बेंचमार्कों में गिरावट देखने को मिली, जो कि पश्चिम एशिया में नए सिरे से बढ़े तनावों से प्रेरित हैं। हालांकि इसके अलावा, मार्केट में कोई खास हलचल नहीं है।एक्सपर्ट ने आगे कहा, अभी कंपनियों के नतीजे आने का दौर चल रहा है और मार्केट हर कंपनी के नतीजों पर प्रतिक्रिया दे रहा है। साथ ही, रात भर के संकेत भी नेगेटिव थे। आज ग्लोबल संकेत भी नेगेटिव हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

चिंता का सबसे बड़ा पहलू

आज 81.8 प्रतिशत नया कर्ज पुराने ऋण पर ब्याज चुकाने के लिए लिया जा रहा है। 2021-22 में 50.9 फीसदी नया ऋण ही इस मकसद से लिया गया था। पांच साल में इसमें 31 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

केंद्र सरकार पर कुल कर्ज 2021-22 में 138.66 लाख करोड़ रुपये था, जो 2025-26 में 201.17 लाख करोड़ हो गया। यह आंकड़ा खुद केंद्र ने संसद में दिया है। इससे सामने आया चिंता का सबसे बड़ा पहलू नए कर्ज के इस्तेमाल से जुड़ा है। इसलिए कि ऋण का उपयोग मानव विकास, दीर्घकालिक संपत्ति के निर्माण, अथवा उत्पादक अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हो, तो उससे ठोस विकास की जमीन मजबूत होती है। उससे निवेश एवं उपभोग दर बढ़ती है, जिससे टैक्स आधार विस्तृत होता है। उससे भविष्य में राजकोषीय सेहत सुधरने की गुंजाइश बनी रहती है। लेकिन कर्ज का इस्तेमाल पुराने के ऋण एवं ब्याज को चुकाने अथवा तात्कालिक उपभोग के लिए हो, तो उसका अर्थ होता है भावी पीढ़ियों के हितों की बलि चढ़ाना।

आज स्थिति यह है कि 81.8 प्रतिशत नया कर्ज पुराने ऋण पर ब्याज चुकाने के लिए लिया जा रहा है। जाहिर है, इस स्थिति में विकास योजनाओं के लिए कम पैसा बचता है। 2021-22 में नए ऋण का 50.9 फीसदी हिस्सा पुरानी देनदारी चुकाने पर खर्च हो रहा था। पांच साल इसमें लगभग 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है। सरकार का दावा है कि नया कर्ज मुख्य रूप से संपत्ति निर्माण के लिए लिया जा रहा है। इसकी मिसाल के तौर पर वह पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में हुई बढ़ोतरी का जिक्र करती है। ये रकम मुख्य रूप से हाईवे, एक्सप्रेस-वे, हवाई अड्डा आदि के निर्माण पर खर्च हुई बताई जाती है। लेकिन इसी दौर में शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, आदि जैसे मदों में खर्च में भारी कटौती हुई है।

यानी कैपेक्स बढ़ा है, तो मानव विकास तथा विज्ञान-तकनीक आदि मदों में खर्च घटा भी है। फिर निजीकरण, सरकारी संपत्तियों के विमुद्रीकरण, एवं काफी समय तक पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क के जरिए सरकार को अतिरिक्त आय हुई। फिर भी अब भारत में प्रति व्यक्ति पर औसतन तकरीबन 1.36 लाख करोड़ रुपये का कर्ज हो गया है। तो इसे आर्थिक कुप्रबंधन अथवा भटकी हुई प्राथमिकताओं को महत्त्व देने के अलावा और क्या कहा जा सकता है? इस स्थिति का दबाव लगातार राजकोष और सकल अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है।

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस (8 अगस्त) पर विशेष

- योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध 'करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था।9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा

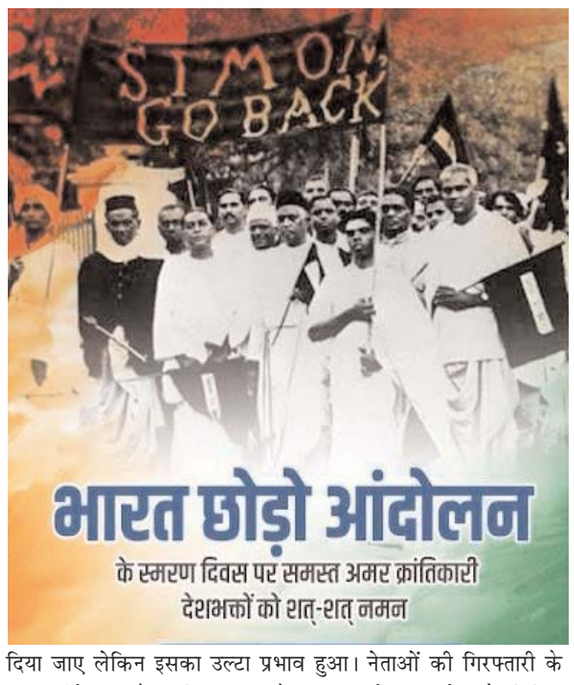

दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वत: सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने 'कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दर्शाता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी।भारत छोड़ो आंदोलन का महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया।भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया।आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है।

भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। 'करो या मरो' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

सरकार नैरेटिव बनवा रही कुछ न कुछ तो जरूर होगा

हरिशंकर व्यास

पिछले कई दिनों से इस बात की चर्चा है कि सरकार बहुत बड़ा कुछ करने जा रही है। कुछ बहुत बड़ा करने की प्लानिंग हो रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के संसद भवन में जाने की तस्वीरें और वीडियो शेयर करके कहा जा रहा है कि कुछ होने वाला है। संसद भवन के कार्यालय में प्रधानमंत्री की बैठक या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ गृह सचिव गोविंद मोहन, आईबी के प्रमुख महेश दीक्षित और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल की मीटिंग की चर्चाए है। गुरुवार को हुई सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी सीसीएस की बैठक की भी खूब चर्चा हुई। देर रात तक मीटिंग चली और सोशल मीडिया में यह अटकलें चलती रहीं कि क्या फैसला हो रहा है और क्या बड़ा होने वाला है।

अगले दिन यानी शुक्रवार की सुबह अखबारों में सीसीएस की बैठक की कोई खास रिपोर्टिंग नहीं हुई। लेकिन जो रिपोर्ट आई उसमें बताया गया कि सीसीएस की बैठक में वैश्विक हालात पर विचार हुए। ईंधन सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई और साथ ही खाद्यान्न सुरक्षा के बारे में भी बातचीत हुई। सोचें, इसके लिए सीसीएस की बैठक की क्या तुक है? इसके लिए तो आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति यानी सीसीई की बैठक होनी चाहिए थी। सो, यह भी कहा जा रहा है कि सीसीएस की बैठक में असल में जो बातचीत हुई उसकी रिपोर्ट सामने नहीं आई है। राइटविंग के अनेक लोग और पूर्व अधिकारी पूरे भरोसे से बता रहे हैं कि कुछ बहुत बड़ा होने वाला है, जिसकी तैयारी हो रही है।

ध्यान रहे इस सरकार का यह ट्रेड मार्क रहा है कि जब भी वह किसी मामले में घिरती है तो कुछ बड़ा किया जाता है या कुछ भी किया जाता है, जिसे बड़ा कह कर प्रचारित किया जाता है।

मशीन फिर से अपने पुराने ढर्रे पर चलने लगती है

सतीश झा

बच्चा एक ऐसी थाली के सामने बैठा है, उसके सामने इंसानियत के पूरे ज्ञान का इतिहास एक ही बार में परोस दिया गया हो और कहा गया हो—लो, खाओ। थाली भरी हुई है। लेकिन, ध्यान से देखें तो वह पूरी तरह खाली है। ज्जब बारह साल बाद एक बच्चा बाहर निकलता है और वह एक पैराग्राफ़ पढ़ नहीं पाता या एक मामूली घटाव नहीं कर पाता, तो आप उँगली किस पर उठाएँगे? कोई एक वादा टूटा ही नहीं, सारे वादे एक साथ किए गए थे और सब एक-दूसरे में घुलकर गायब हो गए।

जब भी हिंदुस्तानी व्यवस्था का कोई खंभा दरकता है, तो उसका धुआँ अपने तय समय पर ही दिखाई देता है। पहले वह नाकामी आती है, जो सालों से किसी अंधेरे कोने में सुलग रही होती है—किसी परीक्षा बोर्ड का खामोश सड़ांध मारता ढाँचा, छपने से पहले ही बिकता प्रश्नपत्र, या एक रात में पूरे देश पर थोप दी गई वह नीति, जिस पर किसी ने सलाह तक करने की ज़हमत नहीं उठाई।

फिर उठती हैं लपटें, और उन लपटों की रोशनी खींच लाती है तमाशबीनों की भीड़—राजधानी के चौराहों पर जुटे बिलखते छात्र, जेठ की धूप में गाढ़ा होता आँसू गैस का धुआँ, भूख हड़तालें और ऐसा विपक्ष, जो व्यवस्था के हर ज़ख्म में अपनी जीत का वोट तलाशने लगता है।

और सबसे आखिर में, मानसून की तरह अपने तय समय पर टिप्पणियों का सिलसिला शुरू होता है । लेखक, अर्थशास्त्री, नीतियाँ बनाने वाले और उनकी आलोचना करने वाले—सब अपनी-अपनी ऐनक साफ़ करके मैदान में उतर आते हैं। हर किसी की जेब में एक बना-बनाया नुस्खा तैयार है।

एक साहब को इसमें ऐसी सरकार की तानाशाही दिखती है, जो चुनाव जीतना तो सीख गई, पर संस्थाएँ चलाना भूल गई। दूसरे को दिखता है कि व्यवस्था अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों से कैसे चुपके से पीछे हट रही है—जहाँ मुफ़्त शिक्षा के अधिकार को बिकने वाली चीज़ बना दिया गया है। तीसरे साहब नीति-निर्माताओं की 'नैतिकता' को खोखला भावुक तर्क बताकर खारिज करते हैं और कहते हैं कि मामला सिर्फ़ व्यवस्था का है—यानी स्कूल जो बना रहे हैं और बाज़ार जो खरीद रहा है, उनके बीच का टकराव।

चौथे साहब दुनिया की दौड़ की ऊँचाई से देखकर हैरान होते हैं कि जो देश मशीनों के युग में बच्चों से पुरानी भाषाएँ रटवा रहा है, वह एक साधारण परीक्षा भी बिना चोरी के नहीं करा सकता। पाँचवें साहब इस पूरी तबाही को तीन शब्दों में बाँध देते हैं—सांप्रदायिकीकरण, व्यापारीकरण और केंद्रीकरण—और परीक्षा एजेंसी के सफाए तथा मंत्री की बलि की माँग करने लगते हैं। छठे साहब इस पूरे तामझाम को दिमागों के 'उपनिवेश-मुक्ति' की महान क्रांति बताते हैं और विरोध की उठती आवाज़ों में कोचिंग माफिया की साज़िश ढूँढ़ लेते हैं।

अपने-अपने ढाँचे में हर कोई सही है। और सच पूछिए, तो असली आफ़त यही है। पढ़ने वाला एक ही साँस में इन दलीलों से गुजरता है, हर बात पर सिर हिलाता है और इस संतोष के साथ उठ खड़ा होता है कि उसने सब कुछ समझ लिया—सिवाय इसके कि कुछ बदलने वाला क्यों नहीं है।

इन तमाम पंडितों की लेखनी में एक ही समानता है—निशाना। सब उस चीज़ पर तीर चला रहे हैं, जो ठीक आँखों के सामने है—लीक हुआ प्रश्नपत्र, ताज़ा आदेश, सड़कों पर जमा भीड़ और कटघरे में खड़ा मंत्री। सब असर पर हमला कर रहे हैं, वजह पर नहीं।

हमारे बुद्धिजीवियों ने खुद को बीमारी के लक्षणों का सुंदर वर्णन करने वाला ऐसा बारीक औजार बना लिया है कि वह बयानबाज़ी ही अपने आप में एक नशा बन चुकी है। जो देश अपनी बीमारी का नाम छह अलग-अलग भाषाओं में लेना सीख जाए, उसे इलाज की कोई जल्दी नहीं रहती। यह बहस किसी सुधार की तरफ़ नहीं ले जाती; यह बहस तो असल में उस सुधार की जगह लेने वाला नशा है।

धुएँ के पीछे जलती इमारत को देखने के बजाय, ज़रा उस ढाँचे को देखिए, जिसे बनाया ही जलने के लिए गया था। कुछ साल पहले मैंने भारतीय कक्षा की तुलना एक थाली से की थी। बच्चा एक ऐसी थाली के सामने बैठा है, जो बेहिसाब पकवानों से भरी पड़ी है—दर्जनों विषय, तीन-तीन भाषाएँ और ऐसा पाठ्यक्रम, मानो दस साल के बच्चे के सामने इंसानियत के पूरे ज्ञान का इतिहास एक ही बार में परोस दिया गया हो और कहा गया हो—लो, खाओ।

थाली भरी हुई है। लेकिन, ध्यान से देखें तो वह पूरी तरह खाली है। दुनिया का कोई बच्चा उस थाली से अपना पेट नहीं भर सकता। जो परोसा गया है, वह खाना नहीं—खाने का केवल भ्रम है।

मैंने अपनी किताब का नाम रखा था—द फुल प्लेट। मुझे लगा था कि मैं व्यवस्था की एक भूल का ज़िक्र कर रहा हूँ। लेकिन असल में मैं उसके एक चालाक समाधान की व्याख्या कर रहा था। थाली भूल से भारी नहीं की गई है। उसे जान-बूझकर ऐसे भरा गया है, क्योंकि जो व्यवस्था सब कुछ देने का दावा करती है, उस पर किसी एक नाकामी का आरोप नहीं लगाया जा सकता।

जब बारह साल बाद एक बच्चा बाहर निकलता है और वह एक पैराग्राफ़ पढ़ नहीं पाता या एक मामूली घटाव नहीं कर पाता, तो आप उँगली किस पर उठाएँगे? कोई एक वादा टूटा ही नहीं, सारे वादे एक साथ किए गए थे और सब एक-दूसरे में घुलकर गायब हो गए।

यह फैलाव कोई उदारता नहीं है। यह तो जिम्मेदारी को इतने छोटे-छोटे टुकड़ों में बाँट देना है कि नाकामी का कोई एक सुराग ही न मिले। जिसकी नाप-जोख न हो सके, उस पर अदालत कैसे चले? भरी हुई थाली दरअसल ऐसा बही-खाता है, जिसे इतना उलझा दिया गया है कि कोई उसका ऑडिट ही न कर सके।

यह किसी अफ़सर की नालायकी नहीं है। यह तो इस मशीन का असली डिज़ाइन है, जो ठीक वैसा ही काम कर रहा है, जैसा उसे करने के लिए बनाया गया था। और यही बात सबसे ज्यादा डरावनी है। क्योंकि नालायकी सुधारी जा सकती है, पर अपने मकसद में सफल मशीन को उसकी फितरत से बाज़ नहीं लाया जा सकता।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपको कारोबार में डबल मुनाफा होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आप काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जो आपको तरक्की के रास्ते पर लेकर जाएंगे। आज आप अपनी कार्यकुशलता के दम पर किसी कार्य को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज आप कुछ समय अपने रुचि पूर्ण कार्यों में भी व्यतीत करें, जिससे आपको आत्मिक और मानसिक खुशी मिलेगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा, जिससे आपके मन में प्रसन्नता आएगी। आज आपको परिवार की तरफ से बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज प्राइवेट ऑफिस में कार्यरत व्यक्तियों का प्रोजेक्ट पूरा होगा, जिससे बॉस आपसे खुश होंगे। आज आप दिन भर कई तरह के कामों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपको थकान हो सकती है। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, जिससे आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप सबसे पहले उन कार्यों को करें, जो काफी समय से पेंडिंग पड़े हैं। आज आपको खुशखबरी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने अंदर नया जोश और ऊर्जा महसूस करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें आपको दोगुना लाभ होगा। आज आपको रोजगार में पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे समाज में आपका रुतबा बढ़ेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा और आपका रुका हुआ पैसा भी वापस मिलेगा। आज आपका रुझान धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में बढ़ेगा। आज आप नेगेटिव व्यक्तियों से दूर रहें और अपने मनोबल को मजबूत करें। आज आपको कम्पनी की तरफ से विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लेकर आया है। यदि आज आप कोई शॉप ओपन करना या शिफ्ट करना चाहते हैं, तो उससे जुड़ी सारी जानकारी पहले ही प्राप्त कर लें। आज आप अपने व्यवहार में थोड़ा परिवर्तन लेकर आएं, जिससे एम्पलॉय के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहें।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपके अधिकतर काम पूरे हो जाएंगे, जिससे आपको संतुष्टि मिलेगी। आज आप कोई भी नया काम शुरू करने से पहले उससे जुड़ी सारी जानकारी इकट्ठी कर लें। आज आप खुद के फैसलों पर यकीन रखें और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी बिजनेस की शुरुआत को लेकर विचार-विमर्श कर सकते हैं, जिससे आने वाले समय में आपको मेहनत के मुताबिक सफलता मिल सके। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज व्यापारिक दृष्टि से आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं की बढ़ोतरी होगी। आज आप अनुभवी व्यक्तियों के मार्गदर्शन में अपने आसपास की परिस्थितियों में थोड़ा बदलाव महसूस करेंगे।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। आज आपकी नए व्यक्तियों से मुलाकात होगी और आपके रुके हुए काम पूरे होने से संतुष्टि मिलेगी।

संस्कारों से खाली होती नई पीढ़ी का सबसे दर्दनाक सच

[चिता पर लकड़ियाँ कम, रिश्ते अधिक जल रहे थे]

[क्या सचमुच हम अब अपने माता-पिता के उत्तराधिकारी हैं?]

प्रो. आरके जैन 卐अरिजीत卐

समाज की संवेदनहीनता अब कोई छिपी हुई बीमारी नहीं, बल्कि खुले घाव की तरह फैल रही है। जब कोई पिता, जिसने अपनी जवानी के सपने कुचलकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया, बुढ़ापे में सोनीपत के वृद्धाश्रम की चारदीवारी में अंतिम सांस लेता है और उसकी संतानें अंतिम संस्कार में शरीर से नहीं, केवल पैसों या स्क्रीन से जुड़ती हैं, तब यह घटना एक परिवार की नहीं, पूरे युग की कहानी बन जाती है। शिवचरण गुप्ता जैसे पिता की चिता के सामने खड़े समाजसेवियों के कंधे बताते हैं कि रिश्ते अब खून से नहीं, सुविधा से तय होते हैं। तकनीक ने हाथों को जोड़ दिया, लेकिन हृदय को अलग कर दिया। यह विडंबना नहीं, एक चेतावनी है कि हम इंसानियत की परिभाषा ही बदल रहे हैं।

एक समय था जब पिता की अंतिम यात्रा में बेटियों का कंधा देना सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। आज वही धर्म वीडियो कॉल और पाँच हजार एक सौ रुपये में सिमट गया है। तीनों आत्मनिर्भर और सफल बेटियाँ—एक नेपाल, एक मुंबई, एक आजमगढ़ में—बाप की मृत्यु की खबर सुनकर भी शरीर से नहीं पहुँचीं। एक ने पैसा भेजा, दूसरी ने स्क्रीन पर चिता देखी, तीसरी ने शायद यह भी जरूरी नहीं समझा। उल्लेखनीय है कि बीमारी की सूचना लगभग 20 दिन पहले दे दी गई थी, फिर भी कोई बेटी नहीं पहुँची। क्या शिक्षा ने उन्हें केवल डिग्री दी और संवेदना छीन ली? पिता ने करोड़ों का कारोबार खोकर भी बेटियों को पढ़ा-लिखाया, पर बेटियों ने अंतिम क्षण में उपस्थिति का कर्ज नहीं चुकाया। यह लेन-देन नहीं, भावनात्मक दिवालियापन है।वृद्धाश्रम अब अनाथों के नहीं, उन माता-पिता के घर बन गए हैं जिनके बच्चे सफल हैं। शिवचरण गुप्ता ने मुंबई में कपड़े का साम्राज्य खड़ा किया था, फिर सब कुछ खोया, पत्नी भी चली गईं, फिर भी बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया। करीब डेढ़-दो साल पहले पत्नी के साथ वृद्धाश्रम पहुँचे। पत्नी मीना गुप्ता का निधन भी आश्रम में हुआ था और तब भी बेटियाँ नहीं आई थीं। दोनों बार आश्रम प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने संस्कार किए। अब पिता की चिता पर भी वही दृश्य। समाज ने कंधा दिया, आँखें दान हुईं, दो दृष्टिहीनों को रोशनी मिली। पर जिन आँखों ने बेटियों को सपने दिखाए, उन आँखों को अंतिम विदाई में देखने वाली संतानें दूर रहीं। आँखों का दान रोशनी देता है, पर संतानों की अनुपस्थिति अंधेरा फैलाती है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ ने रिश्तों को समयसारिणी में कैद कर दिया है। करियर, शहर, विदेश—सब जरूरी लगते हैं, पर माता-पिता का अंतिम संस्कार फालतू। तकनीक हमें दुनिया से जोड़ती है, पर घर के आँगन से काट देती है। तीनों आत्मनिर्भर बेटियों में दो बेटियाँ शिक्षिका हैं, समाज को नैतिकता सिखाती होंगी, पर खुद के पिता की चिता के पास खड़े होने का समय नहीं निकाल सकीं। क्या यह शिक्षा की असफलता नहीं? डिग्रियाँ बढ़ीं, संस्कार सिकुड़े। बैंक बैलेंस भरा, हृदय खाली। पिता ने भूख छिपाकर पेट भरा, थकान छिपाकर नींव रखी, पर अंतिम यात्रा में अकेला छोड़ दिया गया।यह घटना हमें आईना दिखाती है कि हम संबंधों को भावुकता से नहीं, बल्कि सौदेबाज़ी से तौलने लगे हैं। धन भेजना सरल है, उपस्थिति कठिन। वीडियो कॉल से अंतिम संस्कार देखना संभव है, कंधा देना असंभव। पर अंतिम संस्कार मात्र एक क्रिया नहीं, जीवनभर के ऋण का सत्कार है। जिसे ऑनलाइन भुगतान से नहीं चुकाया जा सकता। शिवचरण गुप्ता की आँखें दो अजनबियों को प्रकाश दे गईं, पर अपनी संतानों को भावनात्मक अंधकार दे गईं। समाजसेवी कंधे दे रहे थे, बेटियाँ स्क्रीन पर थीं। वीडियो कॉल के दौरान एक बेटी की यह टिप्पणी भी सामने आई—'कितना समय लगेगा?' यह एक वाक्य ही रिश्तों की ठंडक और संवेदनहीनता को पूरी तरह उजागर कर देता है। यह दृश्य आँसू नहीं, आत्मा को हिला देता है।

समय का पहिया न्यायसंगत है। जो व्यवहार हम माता-पिता के साथ करते हैं, वही हमारे बच्चों के सामने एक दिन लौटता है। आज की उपेक्षा निश्चित रूप से कल की विरासत बनेगी। वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ना केवल गरीबी नहीं, बल्कि भावनात्मक दरिद्रता का सबूत है। सफल बच्चे, अकेला बाप—यह नई सामान्य स्थिति बन रही है आजकल। भारतीय संस्कृति में माता-पिता देवतुल्य हैं, पर देवता को भी अंतिम क्षण में अकेला छोड़ दिया जाए तो संस्कृति का क्या अर्थ रह जाता है? पैसे से कर्ज नहीं चुकाया जाता, उपस्थिति से ही चुकाया जाता है।

हमें सचमुच और गहराई से खुद से पूछना होगा—क्या हम भी कहीं केवल आर्थिक सहायता देकर इतिश्री मान बैठे हैं? क्या कभी बिना किसी स्वार्थ के उनके साथ बैठे और बातें कीं? उनका गहरा और दर्द भरा अकेलापन समझा? धन, पद, प्रतिष्ठा तो यहीं रह जाते हैं। याद रहती है केवल वह सच्ची गर्माहट।

जिस दिन चिता के सामने संतान की जगह मोबाइल की स्क्रीन दिखे, समझ लेना चाहिए कि तकनीक पूरी तरह जीत गई, और इंसान बुरी तरह हार गया। शिवचरण गुप्ता की कहानी केवल एक समाचार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी और जरूरी चेतावनी है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 08 अगस्त 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

जालंधर के सरकारी स्कूल में लिखे खालिस्तान नारे, प्रिंसिपल के कमरे में झंडा लगाने का दावा; मचा हड़कंप

जालंधर ,(आरएनएस)। जालंधर जिले के शाहकोट क्षेत्र के गांव कोटला हीरा स्थित एक सरकारी स्कूल में खालिस्तान समर्थक नारे लिखे जाने और प्रिंसिपल के कमरे में खालिस्तान समर्थक झंडा लगाए जाने के दावे के बाद हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और मामले की गहन जांच शुरू कर दी।प्राथमिक जानकारी के अनुसार स्कूल की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। वहीं, प्रिंसिपल के कार्यालय में खालिस्तान समर्थक झंडा लगाए जाने का भी दावा किया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरे स्कूल परिसर का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि यह घटना किसने और कब अंजाम दी।इस बीच विदेश में बैठे घोषित आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किए जाने की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि वीडियो में उसने इस घटना का जिक्र करते हुए पंजाब सरकार को धमकी दी है और 15 अगस्त को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की है। हालांकि, पुलिस वीडियो की सत्यता और उससे जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

जांच एजेंसियों ने स्कूल परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर उसकी पड़ताल शुरू कर दी है। इसके अलावा स्थानीय लोगों और स्कूल कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

सीआरपीएफ में मानसिक तनाव का दौर, 5 सालों में 281 जवानों ने की खुदकुशी; 2025 में टूटे सभी रिकॉर्ड

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। देश की आंतरिक सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले सबसे बड़े अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के जवानों को लेकर एक बेहद चिंताजनक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। हमेशा आतंकियों और नक्सलियों से लोहा लेने वाले हमारे बहादुर जवान अब मानसिक तनाव और निजी परेशानियों से हार रहे हैं। हाल ही में सामने आए ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच सालों में जवानों की आत्महत्या के मामलों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। साल 2025 में खुदकुशी के आंकड़े अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं, जिसने सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन की नींद उड़ा दी है।

ड्यूटी के दौरान सबसे ज्यादा मौतें, सिपाही वर्ग में बढ़ा तनाव

आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, साल 2025 में कुल 59 सीआरपीएफ जवानों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली, जो पिछले पांच सालों में एक रिकॉर्ड आंकड़ा है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अपनी जान देने वालों में 80 प्रतिशत से अधिक जवान सिपाही रैंक के थे। आंकड़ों की गहराई में जाएं तो 2021 से 2025 के बीच सामने आए 262 मामलों में से 202 मामलों (करीब 77 प्रतिशत) में जवानों ने तब यह खौफनाक कदम उठाया, जब वे अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। बाकी की घटनाएं छुट्टी पर रहने के दौरान हुईं।

घर की कलह और नौकरी का भारी दबाव बन रहा जानलेवा

इस गंभीर विषय पर हालांकि बल की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन सीआरपीएफ के कुछ अधिकारियों ने बताया कि जवानों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। जांच में यह बात निकलकर सामने आई है कि आत्महत्या के अधिकतर मामलों के पीछे पारिवारिक विवाद और घर की परेशानियां मुख्य कारण रही हैं। इसके साथ ही, नौकरी की सख्त दिनचर्या और कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी ने जवानों के मानसिक तनाव को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि लगभग 3.25 लाख की क्षमता वाले इस बल के 95 से 97 प्रतिशत जवान हर समय मोर्चे पर डटे रहते हैं, चाहे वह आतंकवादियों से निपटना हो या देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखना हो।

तेजस्वी सूर्या बने कांवड़िया, हरकी पैड़ी से ऋषिकेश तक करेंगे 26 किमी की पदयात्रा

हरिद्वार,(हि.स.)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने शुक्रवार को हरिद्वार से कांवड़ यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने हरकी पैड़ी पर मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना की, पवित्र गंगाजल भरा और भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए ऋषिकेश स्थित वीरभद्र महादेव मंदिर की ओर लगभग 26 किलोमीटर की पदयात्रा पर रवाना हुए।

यात्रा के दौरान उनके साथ भाजयुमो के पदाधिकारी, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और शिवभक्त भी मौजूद रहे। हरकी पैड़ी क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा।

तेजस्वी सूर्या ने कहा कि कांवड़ यात्रा दुनिया की सबसे बड़ी युवा भागीदारी वाली आस्था यात्रा है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु बिना किसी औपचारिक निमंत्रण, जाति-भेद या सामाजिक विभाजन के केवल श्रद्धा और भक्ति भाव से शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत से होने के बावजूद लंबे समय से उनकी इच्छा कांवड़ यात्रा का हिस्सा बनने की थी, जो इस सावन में पूरी हुई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका हरिद्वार आगमन किसी राजनीतिक कार्यक्रम के लिए नहीं, बल्कि एक सामान्य शिवभक्त के रूप में है। उन्होंने देश के युवाओं से सनातन संस्कृति, भारतीय परंपराओं और धार्मिक धरोहरों से जुड़ने का आह्वान किया।

तेजस्वी सूर्या ने बताया कि यात्रा के दौरान स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा तथा ऋषिकेश के स्वर्ग आश्रम में गंगा तट पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए विश्व पटल पर भारत की पहचान को और मजबूत करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी सूर्या वर्तमान में बेंगलुरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। पेशे से वकील रहे सूर्या लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हैं।

भारतीय वायुसेना के लिए 3.25 लाख करोड़ की महाडील, फ्रांस ने दिया 114 राफेल का प्रस्ताव

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय वायुसेना की लड़ाकू क्षमता को कई गुना बढ़ाने और आसमान में अपनी धाक और मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक महाडील पर काम तेज हो गया है। फ्रांस की मशहूर विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने भारत को 114 मल्टीरोल राफेल फाइटर जेट्स देने के लिए अपना तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्ताव भारत सरकार को सौंप दिया है। करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की इस संभावित डील की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन विमानों का निर्माण सीधे तौर पर 'मेक इन इंडिया' पहल से जुड़ा होगा। इसके तहत 114 में से 94 लड़ाकू विमान भारत की सरजमीं पर ही एक भारतीय पार्टनर कंपनी के साथ मिलकर बनाए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय की विंग और वायुसेना ने इस बेहद अहम प्रपोजल का बारीकी से मूल्यांकन भी शुरू कर दिया है।

अत्याधुनिक तकनीक का होगा 'ट्रांसफर', भारत में बनेंगे अहम पुर्जे

मई महीने में भारत द्वारा भेजे गए 'लेटर ऑफ रिक्वेस्ट' के जवाब में फ्रांस ने जो प्रस्ताव दिया है, उसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर भारी जोर दिया गया है। भारत ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यह डील 'मेक इन इंडिया' के बिना मुमकिन नहीं है। इस समझौते के तहत डसॉल्ट एविएशन के साथ-साथ इंजन बनाने वाली कंपनी सफरान एवियोनिक्स देने वाली थेल्स और हथियार निर्माता एमबीडीए भी अपनी अहम तकनीक भारत को ट्रांसफर करेंगे। इस पूरी प्रक्रिया के बाद एयरफ्रेम, इंजन और एवियोनिक्स में 55त्न से 60त्न तक स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे भारत का रक्षा उद्योग

इस वक्त भारतीय वायुसेना के पास 36 राफेल फाइटर जेट्स की मजबूत फ्लीट मौजूद है, जिन्हें 2015 के सौदे के तहत शामिल किया गया था। इसके अलावा भारतीय नौसेना ने भी अपने युद्धपोतों के लिए 26 राफेल-एम जेट्स का ऑर्डर दिया है। वर्तमान में रूस निर्मित पुराने मिग विमान लगातार रिटायर हो रहे हैं और स्वदेशी तेजस के प्रोडक्शन में हो रही देरी की वजह से वायुसेना की स्क्वाड्रन की संख्या तेजी से घट रही है। ऐसे में 114 नए राफेल जेट्स वायुसेना की ताकत को फिर से चरम पर पहुंचा देंगे। एक ही तरह के लड़ाकू विमानों की संख्या बढ़ने से इनके मेंटेनेंस के खर्च में भी भारी कमी आएगी। खास बात यह है कि अंबाला एयरबेस पर पहले से ही राफेल की मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल सुविधा मौजूद है, जहां बिना किसी देरी के 36 से 38 नए विमानों (करीब दो स्क्वाड्रन) को आसानी से तैनात किया जा सकता है।

सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए हत्याकांड में सीबीआई की चार्जशीट, शूटर्स को सुपारी देने के आरोप में 2 बीजेपी कार्यकर्ता समेत 11 नामजद

कोलकाता ,,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बेहद करीबी माने जाने वाले चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने एक बड़ा और हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। इस हाई-प्रोफाइल मर्डर केस में जांच एजेंसी ने अपनी चार्जशीट दाखिल कर दी है, जिसमें कुल 11 लोगों को आरोपी बनाया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस खौफनाक साजिश के तार किसी और से नहीं, बल्कि अपनों से ही जुड़े निकले हैं। सीबीआई ने इस मामले में उसी कार्यालय के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है, जहां रथ काम करते थे।सीबीआई की विस्तृत जांच में यह बात सामने आई है कि चंद्रनाथ रथ को रास्ते से हटाने की साजिश रातों-रात नहीं बनी थी, बल्कि दिसंबर 2025 से ही उनकी हत्या का ब्लूप्रिंट तैयार किया जा रहा था। किसी न किसी कारण से इस खौफनाक मंसूबे को अंजाम देने की तारीख लगातार टलती जा रही थी। जांच एजेंसी ने हाल ही में रथ के ही कार्यालय में काम करने वाले बीजेपी कार्यकर्ता सागर सोनकर और उसके भाई साहिब सोनकर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन्हीं दोनों भाइयों ने उत्तर प्रदेश के भाड़े के हत्यारों (शूटर्स) को इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने की सुपारी दी थी। दल के पदाधिकारी भी जांच के घेरे में

इस हत्याकांड में राजनीतिक साजिश का एंगल भी गहराई से खंगाला जा रहा है। जांच अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि राज्य के एक अन्य राजनीतिक दल के पदाधिकारी की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। सूत्रों से यह अहम जानकारी मिली है कि मुख्य आरोपी सागर सोनकर भारतीय जनता पार्टी का हिस्सा बनने से पहले, साल 2020 तक एक प्रतिद्वंद्वी पार्टी के विधायक के लिए काम करता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में अपने आवास पर नाश्ते पर एनडीए सांसदों से मुलाकात की। इनमें वे सांसद भी शामिल थे जो हाल ही में तृणमूल कांग्रेस से नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हुए थे, और वे शिवसेना सांसद भी थे जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे।

जेएसपीसी परीक्षा धांधली : सीआईडी ने मुख्य आरोपी अभय तिवारी के ससुर को लिया हिरासत में, रिश्तेदारों की संपत्तियों की जांच शुरू

रांची ,(आरएनएस)। 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग सिविल सर्विस परीक्षा में गड़बड़ी और परीक्षार्थियों से अवैध धन उगाही मामले की जांच कर रही सीआईडी की विशेष टीम ने कार्रवाई और तेज कर दी है।

सीआईडी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र स्थित हथबोर गांव में छापेमारी कर मामले के मुख्य आरोपी मनोज कुमार तिवारी उर्फ अभय तिवारी के ससुर विकास पांडेय को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। विकास पांडेय स्थानीय सरकारी स्कूल में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

सीआईडी की टीम ने हथबोर स्थित आवास पर विकास पांडेय से घंटों गहन पूछताछ की और फिर उन्हें आगे की जांच के लिए अपने साथ ले आई है। जांच एजेंसी मुख्य रूप से अभय तिवारी के दोनों साले (विकास पांडेय के पुत्रों) की भूमिका और उनके ठिकानों की पड़ताल कर रही है। सीआईडी ने दोनों को पूछताछ के लिए समन जारी किया था, लेकिन नोटिस मिलने के बाद से ही दोनों फरार हैं।एजेंसियों को संदेह है कि कानूनी शिकंजे से बचने के लिए वे विदेश भाग चुके हैं, जिसकी पुष्टि के लिए उनके यात्रा दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। इस कार्रवाई के साथ ही सीआईडी और वित्तीय खुफिया शाखा अब आरोपी परिवार की अचल संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की भी गहन जांच कर रही है।सूत्रों के मुताबिक, देवघर में निर्माणाधीन करोड़ों रुपये का अस्पताल, रांची में खरीदी गई जमीनें, तीन लग्जरी फ्लैट और गिरिडीह समेत अन्य जिलों में मौजूद संपत्तियों के वित्तीय स्रोतों की पड़ताल की जा रही है। जांच टीम यह पता लगा रही है कि इन संपत्तियों के निर्माण व खरीद में इस्तेमाल किया गया धन किस माध्यम से आया और क्या यह आय के वैध स्रोतों से मेल खाता है या नहीं।

मम्मी मुझ पर गुस्सा करेंगी' राहुल ने सोनिया गांधी के डॉग 'नूरी' के साथ शेयर किया क्यूट वीडियो

नई दिल्ली(आरएनएस)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का एक बेहद ही प्यारा और दिल छू लेने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राहुल गांधी अपनी मां सोनिया गांधी की पालतू डॉगी 'नूरी' के साथ मस्ती करते और दुलार जताते हुए नजर आ रहे हैं। राहुल ने इस वीडियो के जरिए बेजुबानों के प्रति दया, प्यार और सम्मान की भावना रखने का एक खास संदेश दिया है। हालांकि, वीडियो के आखिर में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में एक मजेदार बात भी कही, जिसने नेटिजन्स का दिल जीत लिया है।

'हम जानवरों के मालिक नहीं, वे हमारे साथी हैं'

शेयर किए गए वीडियो में राहुल गांधी कहते नजर आ रहे हैं कि भले ही वे खुद एक डॉग पैरेंट नहीं हैं, लेकिन इस धरती पर मौजूद हर बेजुबान जानवर प्यार, देखभाल और सम्मान का हकदार है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें जानवरों को अपनी संपत्ति या मालकी की वस्तु नहीं समझना चाहिए, बल्कि उन्हें अपना साथी मानकर उनके प्रति सहानुभूति और सम्मान का भाव रखना चाहिए। राहुल ने जोर देकर कहा कि इंसान और जानवर एक ही ग्रह को साझा करते हैं, इसलिए हमें उनके साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार करना चाहिए।

'मम्मी गुस्सा करेंगी, पर मैं संभाल लूंगा'

वीडियो का अंत बेहद ही दिलचस्प और मजाकिया मोड़ पर होता है। कैमरे के सामने बैठी नूरी की तरफ इशारा करते हुए राहुल मुस्कुराते हैं और बताते हैं कि यह डॉगी उनकी मां सोनिया गांधी की है। इसके बाद वे मजाक में कहते हैं, मम्मी यह वीडियो पोस्ट करने के लिए मुझ पर गुस्सा होंगीज लेकिन कोई बात नहीं, मैं इसे संभाल लूंगा । इसके बाद राहुल हंसते हुए कहते हैं कि अब उन्हें वापस जाकर अपनी प्रेजेंटेशन पर काम करना है।गोवा से गांधी परिवार का हिस्सा बनी थी 'नूरी' यह पहला मौका नहीं है जब नूरी सोशल मीडिया पर नजर आई हो। राहुल गांधी ने अक्टूबर 2023 में पहली बार इस नन्हे पिल्ले (जैक्स रसेल टेरियर प्रजाति) को दुनिया से मिलवाया था। उन्होंने उस वक्त पोस्ट शेयर कर लिखा था कि गोवा से आई नूरी उनके परिवार की सबसे नटखट और प्यारी सदस्य बन चुकी है और उनके जीवन में खुशियां लेकर आई है। राहुल ने तब भी कहा था कि बेजुबान जानवर इंसान को बिना शर्त प्यार और वफादारी सिखाते हैं।

सड़क किनारे वाले कुत्ते को पुचकारने का वीडियो भी हुआ था वायरल

नूरी वाले इस प्यारे वीडियो से ठीक दो दिन पहले भी राहुल गांधी का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड हुआ था। नई दिल्ली में सड़क किनारे एक आम नागरिक से बातचीत के दौरान राहुल उसके कुत्ते को सहलाते और प्यार करते दिखे थे। जब कुत्ते के मालिक ने सुरक्षा पाबंदियों का हवाला देते हुए कहा था कि वह उनसे मिल नहीं पाता, तो राहुल ने बेहद सादगी से उससे कहा था कि वह उन्हें अपने घर आने का न्योता दे, वे खुद उससे मिलने जरूर आएंगे। राहुल गांधी के इस दोस्ताना अंदाज की भी सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हुई थी।

एसी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं , केंद्र ने एससी में दाखिल किया हलफनामा; याचिकाएं खारिज करने की मांग

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आरक्षण में आय के आधार पर 'क्रीमी लेयर' लागू करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची जनहित याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में साफ कर दिया है कि स्ट और स्ञ वर्गों के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं होता है। सरकार ने अदालत से इन सभी याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया है और कहा है कि नीति बनाना पूरी तरह से कार्यपालिका का काम है, जो न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र से बाहर की बात है।

आरक्षण का आधार सिर्फ आर्थिक नहीं, ऐतिहासिक और सामाजिक पिछड़ापन

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में स्पष्ट किया गया है कि स्ट, स्ञ और अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के मानदंड अलग-अलग हैं। अनुसूचित जातियों ने ऐतिहासिक रूप से छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों का सामना किया है, जबकि अनुसूचित जनजातियां अपनी विशिष्ट संस्कृति और भौगोलिक अलगाव के कारण पिछड़ी रही हैं। सरकार ने तर्क दिया है कि इन वर्गों की पहचान केवल आर्थिक स्थिति पर नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर की गई है। क्रीमी लेयर का नियम मुख्य रूप से 1992 के ऐतिहासिक इंदिरा साहनी फैसले के तहत ओबीसी वर्गों के संपन्न लोगों को आरक्षण के दायरे से बाहर रखने के लिए लागू किया गया था।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर भाजपा ने 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने की अपील

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने देश के बुनकरों के योगदान को याद किया। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक वीडियो सन्देश में कहा कि हथकरघा बुनकर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक कला को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, यह क्षेत्र लाखों लोगों की आजीविका से जुड़ा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के जरिए बुनकरों को समर्थन दिया जा रहा है। स्वदेशी आंदोलन की भावना भी देश में स्थानीय उत्पादों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। लोगों से अपील की गई कि वे रोजमर्रा की जिंदगी में हथकरघा उत्पादों को अपनाएं और भारत की विविध हथकरघा परंपराओं को दुनिया तक पहुंचाने में योगदान दें।उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को मजबूत करने और भारतीय बुनकरों के कौशल को सम्मान देने पर जोर दिया गया।

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के हाथ की सर्जरी सफल, देखने पहुंचे मुख्यमंत्री शुभेंदु

कोलकाता, (ए.)। वरिष्ठ बालीवुड अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती को हाथ की सर्जरी के लिए कोलकाता के ईएम बाइपास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुवार देर रात उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उनके हाथ का सफल ऑपरेशन किया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, सर्जरी के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति पूरी तरह स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं।शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अस्पताल पहुंचकर मिथुन चक्रवर्ती से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि मिथुन चक्रवर्ती पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनकी हाथ की सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने उनकी स्थिति को सामान्य बताया है तथा चिंता की कोई बात नहीं है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि स्वास्थ्य में इसी तरह सुधार जारी रहा तो मिथुन चक्रवर्ती को शुक्रवार शाम तक अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। इसके बाद वह न्यू टाउन स्थित अपने आवास लौट जाएंगे और चिकित्सकों की सलाह के अनुसार कुछ दिनों तक आराम करेंगे।अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। सभी आवश्यक चिकित्सकीय जांच सामान्य पाई गई हैं और उनकी रिकवरी संतोषजनक है। डॉक्टरों का कहना है कि कुछ समय तक उन्हें नियमित फॉलो-अप और आवश्यक सावधानियां बरतनी होंगी।

तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच संयुक्त रक्षा समझौते की तैयारी, सैन्य सहयोग होगा और मजबूत

जेद्दा,(आरएनएस) । पश्चिम एशिया में बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में हैं। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि तीनों देशों ने एक व्यापक सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग ढांचे को अंतिम रूप दे दिया है। इस समझौते का उद्देश्य सैन्य सहयोग को नई दिशा देना तथा क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में समन्वय को मजबूत करना बताया जा रहा है।रिपोर्टों के अनुसार यह समझौता सऊदी अरब के जेद्दा शहर में संपन्न होगा। इस अवसर पर तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच बैठक भी प्रस्तावित है, जिसमें समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर किए जाएंगे।सऊदी सरकार और सेना से जुड़े एक सूत्र के अनुसार इस समझौते पर लंबे समय से बातचीत चल रही थी, लेकिन हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों के कारण इसकी प्रक्रिया में तेजी आई। बताया जा रहा है कि यह समझौता पिछले वर्ष पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रक्षा सहयोग समझौते का विस्तारित स्वरूप होगा।

ट्रंप प्रशासन का दावा, 30 लाख से अधिक अवैध प्रवासियों को अमेरिका से निकाला गया, 15 महीने से एक भी रिहाई नहीं

वाशिंगटन ,(आरएनएस) । अमेरिका से 30 लाख से अधिक अवैध प्रवासियों को निर्वासित किया गया है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि लगातार 15 महीनों से किसी भी अवैध प्रवासी को रिहा नहीं किया गया है। उसने 14 लाख से अधिक अवैध प्रवासियों को करदाताओं के पैसे से संचालित सार्वजनिक सहायता लाभों से बाहर कर दिया है। इसके अलावा अवैध प्रवासियों को करदाताओं द्वारा वित्तपोषित एक दर्जन से अधिक स्वास्थ्य योजनाओं से भी वंचित किया गया है, हालांकि इन योजनाओं के नाम या राज्यवार आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए।व्हाइट हाउस ने आव्रजन प्रवर्तन के अपने रिकॉर्ड का विस्तृत ब्योरा जारी करते हुए यह जानकारी दी। ये आंकड़े राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित दो कार्यकारी आदेशों के साथ जारी व्हाइट हाउस फैक्ट शीट में शामिल किए गए हैं।इन आदेशों के तहत कुछ श्रेणियों के बच्चों के लिए जन्मसिद्ध नागरिकता (बर्थराइट सिटिजनशिप) पर प्रतिबंध लगाया गया है और संघीय एजेंसियों को बर्थ टूरिज्म रोकने के निर्देश दिए गए हैं।व्हाइट हाउस के अनुसार, निर्वासित किए गए लोगों में हिंसक अपराधों में दोषी ठहराए गए हजारों लोग भी शामिल थे। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने निर्वासित प्रवासियों के मूल देशों, निर्वासन की अवधि या विस्तृत आंकड़ों का कोई ब्योरा नहीं दिया। प्रशासन ने यह भी दावा किया कि पिछले 15 महीनों में किसी भी अवैध

प्रवासी को अमेरिका में रिहा नहीं किया गया। व्हाइट हाउस ने इसे ट्रंप के सत्ता में वापसी के पहले सप्ताह में शुरू किए गए कदमों का परिणाम बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने दक्षिणी सीमा पर संकट का हवाला देते हुए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें अवैध आव्रजन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। व्हाइट हाउस का कहना है कि इससे पिछली सरकार की सीमा संबंधी नीतियों को पलटा गया।फैक्ट शीट में वीजा जांच प्रक्रिया को और सख्त करने तथा 75 देशों के लिए वीजा प्रोसेसिंग निलंबित करने का भी जिक्र है, हालांकि प्रशासन ने इन देशों के नाम, निलंबन की अवधि या प्रभावित वीजा श्रेणियों की जानकारी नहीं दी।इन कदमों का उद्देश्य अमेरिका की सुरक्षा सुनिश्चित करना और ऐसे विदेशी नागरिकों को हतोत्साहित करना है जो अनुमति अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में रुक जाते हैं।व्हाइट हाउस ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह एक ऐसा अभियान है जो पहले कभी नहीं चला और जिसमें धोखाधड़ी से अमेरिकी नागरिकता पाने के आरोपी लोगों को निशाना बनाया गया।इसमें कहा गया कि 88 लोगों के खिलाफ दावे किए गए हैं, जिन्हें अयोग्य होने के बावजूद अमेरिकी नागरिकता मिल गई। हालांकि फैक्ट शीट में उन लोगों की पहचान नहीं बताई गई, न ही कथित उल्लंघनों के बारे में बताया गया और न ही कार्रवाई की स्थिति बताई गई।फैक्ट शीट में नागरिकता परीक्षा में किए गए बदलावों का भी उल्लेख किया गया है। प्रशासन का कहना है कि संशोधित परीक्षा के जरिए आवेदकों के अमेरिकी इतिहास, शासन व्यवस्था और मूल्यों के ज्ञान का बेहतर आकलन किया जाएगा।

मुआवजे के लिए सैनिकों से शादी कर रहीं महिलाएं : रूस में चल रहा गजब खेल, अस्पताल और सेना पर भी मिलीभगत के आरोप

मॉस्को (ए.)। यूक्रेन से युद्ध के बीच रूस में एक नया घोटाला सामने आया है। सीएनएन की रिपोर्ट के कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां महिलाएं युद्ध पर जा रहे सैनिकों से जल्दबाजी में शादी कर रही हैं और उनकी मौत के बाद मिलने वाला सरकारी मुआवजा हड़प जा रही है। रूस में हाल के महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें सैनिकों ने मोर्चे पर जाने से ठीक पहले या अस्पताल में मौत से पहले शादी की। इस पूरे घोटाले में सिर्फ महिलाएं व युवतियां ही नहीं, अस्पताल से लेकर सेना तक पर मिलीभगत के आरोप हैं। सबसे चर्चित मामला एक सैन्य अस्पताल में कार्यरत नर्स का है, जिस पर आरोप है कि उसने इलाज करा रहे पांच घायल सैनिकों से अलग-अलग समय पर शादी की। वह सैनिकों की मौत के बाद उनका मुआवजा लेना चाहती थी। एजेंसी

पिता की मौत के बाद बेटी को पता चला-दो दिन पहले हुई थी शादी

सेंट पीटर्सबर्ग की रहने वाली 37 वर्षीय मारिया ने सीएनएन को बताया कि जब उनके 59 वर्षीय पिता यूरी की यूक्रेन युद्ध में मौत हुई, तब मिलिट्री अधिकारियों से उन्हें पता चला कि उनके पिता ने मोर्चे पर जाने से ठीक दो दिन पहले अपने से 22 साल छोटी एक अनजान महिला से गुपचुप शादी कर ली थी। इस फर्जी शादी के कारण सरकार से मिलने वाला सारा मुआवजा (डेथ पेआउट) उस अनजान महिला को मिल गया।

कांगो में बेकाबू हुआ इबोला का कहर, 1850 से ज्यादा मौतें, 330 मासूमों ने तोड़ा दम; स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त

किंशासा (आरएनएस) । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी ताजा अपडेट के मुताबिक अब तक 4053 लोगों में इबोला की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें से 1850 लोगों की मौत हो चुकी है।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभी 694 मरीज आइसोलेशन में या अस्पताल में इलाजरत हैं, जबकि 793 लोग ठीक होकर घर लौट चुके हैं। लेकिन पूर्वी डीआरसी में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बताए जा रहे हैं।संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यूनिसेफ ने गुरुवार को कहा कि इस प्रकोप में अब तक 330 बच्चों की मौत हो चुकी है। इससे इतुरी प्रांत में जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। यूनिसेफ के अनुसार, "बच्चों में कुल पुष्ट मामलों का लगभग एक चौथाई हिस्सा है, लेकिन मौतों में उनका हिस्सा लगभग एक तिहाई है। 5 साल से कम उम्र के छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, उनमें मृत्यु दर वयस्कों की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है।संगठन ने बताया कि इबोला के डर और स्वास्थ्य केंद्रों में रुकावट के कारण परिवार अस्पताल जाने से कतरा रहे हैं। इससे बचपन के टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और अन्य जरूरी सेवाओं में भारी गिरावट आई है।के डीआरसी प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने कहा, "इबोला का प्रकोप पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को बाधित कर रहा है। इसका सीधा असर मलेरिया, डायरिया और अन्य इलाज योग्य बीमारियों पर पड़ेगा, जो बच्चों की मौत की सबसे बड़ी वजह हैं।

थाईलैंड के एक स्कूल में छात्र ने गोलीबारी की; 7 की मौत, खुद को खत्म किया

बैंकॉक,,(आरएनएस) । थाईलैंड में नोनथाबुरी प्रांत के एक स्कूल में शुक्रवार को एक छात्र ने गोलीबारी कर दी, जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य लोग घायल हो गए। घटना राजधानी बैंकाक से 20 किलोमीटर दूर प्रांत के बैंग करुआई जिले में घटी है। हमलावर आरोपी स्कूल का छात्र है, जिसने बाद में खुद को गोली मार ली। पुलिस कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल डेचरापी कोंगडी ने बताया कि मृतकों में 3 शिक्षक और 4 छात्र शामिल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोलीबारी करने वाला कक्षा 8 का छात्र था, जिसकी उम्र 14 साल की थी। उसने गोलीबारी क्यों की, इसका कारण सामने नहीं आया है।

आपातकालीन कर्मी ने बताया कि उन्हें स्कूल की ऊपरी मंजिल पर एक पुरुष शिक्षक मृत पड़ा मिला, और दूसरे कमरे में उन्हें एक महिला शिक्षक छाती और बांह में घावों के साथ मिलीं। कई लोगों को सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की गई। कई छात्र भगदड़ में घायल हुए हैं। जिले के अधिकारियों ने बताया कि 2025 के शैक्षणिक वर्ष में स्कूल में लगभग 3,100 छात्र और 147 शिक्षक नामांकित थे।

थाईलैंड में इस क्षेत्र में बंदूक रखने की दर सबसे अधिक है, जहां अनुमानित तौर पर लगभग एक करोड़ आग्नेयास्त्र प्रचलन में हैं, यानी हर 7 निवासियों पर एक के पास हथियार है।

घटना के बाद सामने आई तस्वीरों में देबसिरिन नोनथाबुरी स्कूल से घायल छात्रों को स्ट्रेचर पर ले जाते देखा गया है। इससे पहले, फरवरी में दक्षिणी थाईलैंड के हाट याई जिले में एक बंदूकधारी ने स्कूल पर गोलीबारी की थी, जिसमें प्रधानाचार्य की मौत हो गई और 2 छात्र घायल हुए थे। बाद में किशोर शूटर गिरफ्तार कर लिया गया।

फीचर

गौरव मेरा कंफर्ट जोन नहीं, डॉग वाले बयान पर आकांक्षा चमोला ने तोड़ी चुप्पी

टेलीविजन अभिनेत्री और लॉकअप-2 कंटेस्टेंट रही आकांक्षा चमोला ने पति गौरव खन्ना को लेकर दिए गए विवादित बयान पर चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने बताया कि जिस तरह से उनके बयानों को तोड़कर दिखाया गया है, वैसा कुछ भी नहीं था। आकांक्षा चमोला ने शो से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, मैं चाहती थी कि शो के अंदर विजिटर के तौर पर मुझसे वो लोग मिलने आए, जिनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं जैसे कि मेरे माता-पिता या फिर डॉग आते तो मुझे अच्छा लगता, क्योंकि इनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं। गौरव भले ही मेरा पति हैं और अब हम डिवॉर्स लेने जा रहे हैं, लेकिन वो मेरा कंफर्ट जोन नहीं हैं। वो पता नहीं क्यों आया, शायद अपनी मर्जी से आया होगा। दरअसल, शो के दौरान आकांक्षा चपोला के पति गौरव खन्ना उनसे मिलने के लिए आए थे, जिसके कुछ एपिसोड बाद अभिनेत्री ने बताया था कि शो के दौरान गौरव खन्ना की जगह कोई ऐसा मिलने आता, जिसके साथ वो अपनापन महसूस करती, भले उनका डॉग मिलने आता।

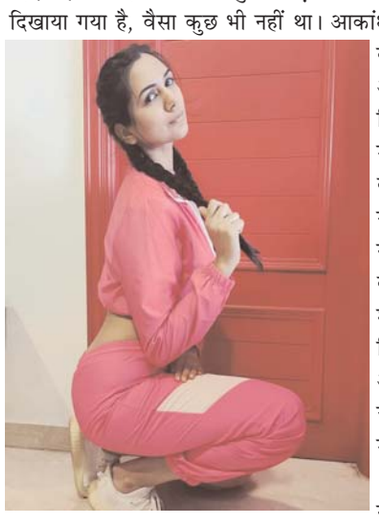

शो में एंट्री लेने से पहले आकांक्षा चमोला ने अपना सीक्रेट रिवील करते हुए बताया था कि वह और गौरव खन्ना एक साल से अलग रह रहे हैं और तलाक लेने जा रहे हैं। इसके बाद श्रेया कालरा ने उनका दूसरा सीक्रेट रिवील कर दिया था कि वे बायसेक्सुअल हैं, जिसके बाद आकांक्षा चमोला ने ये बात स्वीकारी भी थी। साथ ही ये भी बताया था कि पति गौरव खन्ना को भी उनकी सेक्सुअलिटी के बारे में पता था।

रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए गए इस शो में शिल्पा शिंदे, श्रेया कालरा, आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे पॉपुलर नाम थे, हालांकि कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने टॉप 3 की रेस में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को हराकर इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर 1 करोड़ का इनाम भी अपने नाम किया।

खतरनाक स्टंट करने की हिम्मत देते हैं, फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी को बताया मजबूत सपोर्ट

स्टंट आधारित शो खतरों के खिलाड़ी में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़ियों में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं। बिग बॉस 19 में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने कहा, रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं। कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपका साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है।

उन्होंने आगे कहा, रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है।

शो को लेकर फरहाना ने कहा, इस शो में जीतने के लिए सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि पूरी ईमानदारी और सौ फीसदी समर्पण की जरूरत होती है। फरहाना ने कहा, मेरा मानना है कि इस शो में वही आगे बढ़ सकता है, जो हर स्टंट में अपना सौ फीसदी देता है। जब आप बिना डरे पूरी मेहनत के साथ चुनौती का सामना करते हैं, तभी आपका असली प्रदर्शन सामने आता है। दर्शक भी उसी कंटेस्टेंट को पसंद करते हैं, जो हर टास्क में पूरी लगन और हिम्मत दिखाता है। आखिर में दर्शक ही तय करते हैं कि कौन इस शो का असली विजेता बनने के योग्य है।

महिलाओं को फिर से पसंद आने लगे हैं बड़े बैग, जानिए इनके बढ़ते चलन के कारण

बड़े बैग का चलन एक बार फिर से लौट आया है, जो सोशल मीडिया की वजह से और बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ समय से महिलाओं ने छोटे बैग को ज्यादा प्राथमिकता दी थी, लेकिन अब बड़े बैग फिर से फैशन का हिस्सा बन रहे हैं। यह बदलाव कई कारणों से हुआ है। इस लेख में हम जानेंगे कि बड़े बैग क्यों वापस फैशन में आ रहे हैं और ये कैसे महिलाओं की जीवनशैली में सहायक साबित हैं।

ज्यादा सामान रखने की सुविधा

बड़े बैग में अधिक सामान रखा जा सकता है, जिससे महिलाएं अपनी जरूरत की सभी चीजें एक साथ लेकर चल सकती हैं।चाहे वह ऑफिस का सामान हो, बच्चों का स्कूल का सामान हो या खरीदारी का सामान, बड़े बैग में सब कुछ समा जाता है।

इससे महिलाओं को बार-बार बैग बदलने की जरूरत नहीं पड़ती और उनका समय भी बचता है। इसमें वे लैपटॉप आदि भी ले जा सकती हैं।

आरामदायक होते हैं बड़े बैग

बड़े बैग आमतौर पर ज्यादा आरामदायक होते हैं, क्योंकि इनमें मजबूत पकड़ वाले हैंडल होते हैं, जो वजन उठाने में मदद करते हैं।

इसके अलावा इनका डिजाइन भी ऐसा होता है कि वजन समान रूप से बंट जाता है, जिससे कंधे और पीठ पर कम दबाव पड़ता है।

इससे लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर भी कोई परेशानी नहीं होती और महिलाएं आसानी से अपने सामान को ले जा सकती हैं।

फैशन में भी हैं बड़े बैग

आजकल बाजार में कई तरह के डिजाइन और रंगों में बड़े बैग उपलब्ध हैं, जो हर महिला की पसंद के अनुसार होते हैं। कोई साधारण काला बैग पसंद करता है तो कोई चमकीला रंग वाला।इसके अलावा कई बैग पर कढ़ाई या छपाई भी मिलती है, जो उन्हें और भी आकर्षक बनाते हैं। इस प्रकार बड़े बैग न केवल उपयोगी होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी होते हैं, जिससे वे फैशन का हिस्सा बन जाते हैं।

कई कामों के लिए उपयोगी

बड़े बैग कई प्रकार के कामों के लिए उपयोग किए जा सकते हैं। इन्हें आप पिकनिक पर ले जा सकते हैं, खरीदारी करते समय इस्तेमाल कर सकते हैं या यात्रा के दौरान भी साथ रख सकते हैं।इस प्रकार ये बैग आपकी हर जरूरत पूरी करते हैं और आपको अलग-अलग बैग खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती।इससे पैसे भी बचते हैं और सामान व्यवस्थित रहता है, जिससे बाद में आसानी होती है।

पर्यावरण के अनुकूल

आजकल कई महिलाएं पर्यावरण के प्रति जागरूक हो रही हैं और प्लास्टिक बैग का उपयोग कम करना चाहती हैं।बड़े कपड़े या जूट से बने बैग एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि ये बार-बार उपयोग किए जा सकते हैं और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते।

इस प्रकार बड़े बैग कई कारणों से महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। ये न केवल सुविधाजनक होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी होते हैं, जिससे महिलाएं इन्हें पसंद कर रही हैं।

रोजाना गोमुखासन करने से मिल सकते हैं कई स्वास्थ्य लाभ, जानिए अभ्यास का तरीका

गोमुखासन को योग की सबसे प्रभावी मुद्राओं में से एक माना जाता है। इसका अभ्यास करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। यहां हम आपको इस योगासन के बारे में विस्तार से बताएंगे और रोजाना इसे करने के फायदे भी बताएंगे। गोमुखासन का नाम 2 शब्दों से लिया गया है, जिसमें गौ का मतलब गाय और मुख का मतलब मुंह है। यह योगासन शरीर को ताकतवर और लचीला बनाने में मदद कर सकता है।

गोमुखासन करने का तरीका

सबसे पहले जमीन पर सीधे बैठें और अपने दाएं पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के ऊपर से इसके किनारे जमीन पर रखें। इसी तरह अपने बाएं पैर को मोड़ते हुए दाएं घुटने के ऊपर से इसके किनारे जमीन पर रखें।अब अपने दोनों हाथों को कोहनी से मोड़ते हुए पीठ के पीछे आपस में पकड़ने का प्रयास करें। इस मुद्रा में कुछ मिनट रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

पीठ की समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

गोमुखासन का नियमित अभ्यास पीठ की समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है। यह योगासन पीठ के निचले हिस्से, कंधों और गर्दन की मांसपेशियों को मजबूती देता है।इसके अलावा यह योगासन रीढ़ की हड्डी को भी स्वस्थ रखता है। अगर आपको पीठ में दर्द की समस्या रहती है तो रोजाना इस योगासन का अभ्यास जरूर करें।इससे आपकी पीठ मजबूत बनेगी और दर्द से राहत भी मिलेगी।

पाचन क्रिया को कर सकता है दुरुस्त

गोमुखासन पाचन क्रिया के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसका नियमित अभ्यास पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पाचन क्रिया को सुधारता है।इससे कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा यह योगासन पेट की अंदरूनी सफाई भी करता है और रक्त के प्रवाह को बेहतर बनाता है।अगर आप रोजाना गोमुखासन करते हैं तो आपकी पाचन क्रिया स्वस्थ रहती है और पेट संबंधी समस्याओं से दूर रहते हैं।

प्रदान करता है मानसिक शांति

गोमुखासन मानसिक शांति प्रदान करने में भी मददगार है। यह योगासन दिमागी तनाव को कम करता है और मन को शांत रखता है।

इसके नियमित अभ्यास से ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है और मानसिक स्पष्टता मिलती है। गोमुखासन करने से आप अधिक सतर्क और केंद्रित महसूस करते हैं, जिससे आपकी उत्पादकता भी बढ़ती है।

यह योगासन मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है, जिससे आप अधिक शांत और खुश रहते हैं।

सांस संबंधी समस्याओं को करता है दूर

गोमुखासन सांस संबंधी समस्याओं, जैसे अस्थमा और ब्रोंकाइटिस आदि में भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस योगासन का नियमित अभ्यास फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और सांस लेने की प्रक्रिया को सुधारता है।गोमुखासन करने से श्वसन तंत्र मजबूत होता है, जिससे ऑक्सीजन का बेहतर उपयोग होता है।

इसके अलावा यह योगासन श्वसन नलियों को खोलता है और फेफड़ों की कार्यक्षमता को सुधारता है, जिससे सांस संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है।

छत्तीसगढ़ की दो खिलाड़ी भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम में, चीन में होने वाले एशिया कप में दिखाएंगी दम

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के लिए खेल जगत से आज एक और बड़ी खुशखबरी आई है। बिलासपुर के खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दो खिलाड़ियों गीता यादव और मधु सिदार का चयन भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम में हुआ है। ये दोनों चीन के मोकी में आगामी 30 अगस्त से 13 सितम्बर तक होने वाले जूनियर एशिया कप में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा और दम दिखाएंगी।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने गीता यादव और मधु सिदार से वीडियो-कॉल पर बात कर भारतीय टीम में चयन पर बधाई दी। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को जूनियर एशिया कप हॉकी में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामना देते हुए उनकी तैयारियों की भी जानकारी ली। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार और संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने भी दोनों खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

रायपुर में अपराध का सिलसिलाः चोरी, धोखाधड़ी और सड़क हादसे में मौत के मामले दर्ज

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, सड़क हादसे और सट्टा-जुआ के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने संबंधित मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उरला थाना: कुम्हारी उरला स्थित अनन्या इंटरप्राइजेस के गोदाम में अज्ञात चोर ने शटर तोड़कर प्रवेश किया और करीब 48 बंडल कॉपर तार चोरी कर लिए। चोरी गए तार का वजन लगभग 250 किलोग्राम और कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।उरला में जमीन के नाम पर 22.50 लाख की धोखाधड़ी: बीरगांव में एक व्यक्ति ने दूसरे की जमीन को अपनी जमीन बताकर आवेदक के साथ इकरारनामा किया और कथित तौर पर 22.50 लाख रुपये प्राप्त कर धोखाधड़ी की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। खम्हारडीह में कार के इंजन से छेड़छाड़ का आरोप: कचना ओवरब्रिज के नीचे स्थित गैरेज में डेंटिंग-पेंटिंग के लिए दी गई कार का मूल इंजन निकालकर दूसरा इंजन डालने का आरोप सामने आया है। पुलिस ने अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

ई-20 पेट्रोल की शुद्धता पर लगी मुहरः मंत्रालय ने कहा- बिना डरे इस्तेमाल करें नया ईंधन

कोरबा (आरएनएस)। हाल ही के दिनों में सोशल मीडिया पर ई20 (इथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल की गुणवत्ता और उसमें अशुद्धियों को लेकर कई तरह के सनसनीखेज दावे किए जा रहे थे, जिसकी वजह से देश भर के वाहन चालकों के मन में भारी असमंजस और डर की स्थिति पैदा हो गई थी।

इन सभी अटकलों और तमाम तरह की अफ्वाहों को सिरे से खारिज करते हुए केंद्र सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय ने अब स्थिति पूरी तरह से साफ कर दी है। मंत्रालय की तरफ से एक आधिकारिक बयान जारी कर देशवासियों को पूरी तरह आश्वस्त किया गया है कि बाजार में बिकने वाला ई20 पेट्रोल गाड़ियों के लिए एकदम सुरक्षित है और इसे बहुत ही कड़े गुणवत्ता मानकों के तहत ही तैयार किया जाता है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है कि ईंधन की पूरी सप्लाई चेन पर हर एक स्तर पर बेहद बारीकी से नजर रखी जाती है। रिफाइनरी में पेट्रोल के उत्पादन से लेकर पेट्रोल पंप के नोजल से गाड़ियों की टंकी में ईंधन भरे जाने तक, क्वालिटी चेक करने की एक मजबूत बहुस्तरीय प्रणाली काम करती है।

कांकेर के साईमुंडा गांव में पक्का पुल नहीं बना तो ग्रामीणों ने बनाया बांस का ब्रिज

कांकेर, (ए.)। जिले के भानुप्रतापपुर के ग्राम पंचायत बांसकुंड में नदी पर वर्षों से पक्का पुल नहीं बनने के कारण ग्रामीणों ने आखिरकार स्वयं ही लकड़ियों का अस्थायी पुल तैयार कर लिया। अब यही लकड़ी का पुल गांव के लोगों के लिए स्कूल, खेत, अस्पताल और बाजार तक पहुंचने का एकमात्र सहारा बना हुआ है। नदी पर बना यह अस्थायी पुल देखने में जितना साधारण है, उस पर चलने वाले ग्रामीणों के लिए उतना ही जोखिम भरा भी है।स्कूली बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और किसान रोज इसी पुल की मदद से नदी पार करते हैं। बरसात में जब नदी का जलस्तर बढ़ जाता है, तब यह रास्ता और भी खतरनाक हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार नदी और नाले पर स्थायी पुल नहीं होने के कारण हर साल आपस में सहयोग कर लकड़ियों का पुल तैयार करना पड़ता है। पहले एनीकट के पिल्लरों से छलांग लगाकर या पानी के बीच से नदी पार करने की मजबूरी थी। बच्चों और ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए लोगों ने लकड़ी का अस्थायी पुल बनाना शुरू किया, लेकिन इस पुल से किसी भी वाहन की आवाजाही संभव नहीं है। ऐसे में आपात स्थिति सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है।ग्राम पंचायत बांसकुंड के उपसरपंच मनोज कुमार

यादव का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाए तो उसे खाट पर उठाकर नदी पार कराना पड़ता है। स्कूली बच्चे इसी लकड़ी के पुल से होकर स्कूल जाते हैं, जबकि किसान खाद-बीज तक पीठ पर लादकर नदी पार ले जाने को मजबूर हैं। उन्होने बताया कि पुल निर्माण के लिए जिला पंचायत, कलेक्टर कार्यालय और जनप्रतिनिधियों के पास कई बार आवेदन दिए गए। आवेदन की पावती और प्रतियां भी हैं, लेकिन अब तक उन्हें आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर की जनपद सदस्य एवं महिला बाल विकास सभापति सरोज मरकाम ने बताया कि सरपंच रहते हुए उन्होंने 2 बार पुल निर्माण के लिए आवेदन दिया। अधिकारियों ने कई बार मौके पर पहुंचकर नाप-जोख भी की, लेकिन निर्माण की दिशा में आगे कार्रवाई नहीं हुई। उन्होने बताया कि जनपद सदस्य बनने के बाद भी उन्होंने इस मुद्दे को लगातार उठाया। मंत्रालय तक वीडियो भेजकर ग्रामीणों की समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। अब ग्रामीणों के साथ कलेक्टर से मिलने और जरूरत पड़ने पर मंत्रालय जाने की तैयारी है।भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी ने कहा कि गांव के बच्चों और महिलाओं को नदी-नाला पार करने के लिए जोखिम भरे अस्थायी बांस के पुल का इस्तेमाल करना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुए पिछले दो वर्षों से संबंधित अधिकारियों, सचिवों, मंत्रालय और विधानसभा में याचिका के माध्यम से पक्के पुल के निर्माण के लिए प्रयास किया जा रहा था। विधायक के अनुसार पुल निर्माण की स्वीकृति हो चुकी है, बारिश का मौसम खत्म होते ही पुल का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

(रामानुजगंज) श्रावण मास के नौवें दिन छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पूर्व विधायक चंपा देवी पावले सहित लगभग 80 श्रद्धालु बाबा बैजनाथ धाम की यात्रा के दौरान यहां रामानुजगंज पहुंचे।

दुर्ग पुलिस की कार्रवाईः धारदार हथियार लेकर लोगों में दहशत फैलाने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग,(आरएनएस)। दुर्ग पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में आम नागरिकों को धारदार हथियार दिखाकर भयभीत करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन धारदार हथियार जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त को थाना पुरानी भिलाई की टीम क्षेत्र में आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के खिलाफ अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बिजली नगर, भिलाई-03 के पास तीन युवक धारदार हथियार लेकर लोगों में दहशत फैला रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया।

साध्य दैनिकों के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को बड़ी उपलब्धि

रायपुरग(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में छत्तीसगढ़ को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि प्राप्त हुई है। राज्य में कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG) इकोसिस्टम के विकास के लिए किए जा रहे नवाचारों और प्रभावी प्रयासों की सराहना करते हुए भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पूंजीगत निवेश विशेष सहायता योजना (SASCI) 2026-27 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 50 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। इस योजना के तहत यह प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जैव ईंधन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है और यह उपलब्धि उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग तथा छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को इस सफलता के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति राज्य के कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण क्षेत्र में परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगी। इससे कृषि अवशेषों का वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का नया स्रोत मिलेगा तथा पराली और अन्य जैव अवशेषों के बेहतर प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास की छात्राओं ने किया चक्काजाम, आधे घंटे तक जाम रहा नेशनल हाईवे

कोरबा (आरएनएस)। जिले के पोंडी उपरोड़ा विकासखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास की छात्राओं ने गुरुवार को छात्रावास की विभिन्न समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। करीब आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण हाईवे पर यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।प्रदर्शन कर रही छात्राओं का आरोप था कि छात्रावास की अधीक्षिका शारदा नेताम का व्यवहार उनके प्रति उचित नहीं है। छात्राओं ने छात्रावास में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, मूलभूत सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि इन समस्याओं की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। इसी से नाराज होकर उन्हें सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा।चक्काजाम की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्राओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। आश्वासन मिलने के बाद छात्राओं ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया, जिसके बाद नेशनल हाईवे पर यातायात फिर से सामान्य हो गया।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले छुरी स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी अपनी मांगों को लेकर नेशनल हाईवे पर चक्काजाम किया था। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से जिले के आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों की व्यवस्थाओं को लेकर विद्यार्थियों में बढ़ते असंतोष की तस्वीर सामने आ रही है। अब उम्मीद की जा रही है कि संबंधित विभाग छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों की व्यवस्थाओं की गंभीर समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेगा।

खेल समाचार

श्रीलंका के साथ मुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका, चोटिल शुभमन गिल वॉर्म-अप मैच से बाहर; केएल राहुल ने संभाली कप्तानी

कोलंबो, (ए)। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया श्रीलंका इलेवन (SLC XI) के खिलाफ वॉर्म-अप मैच खेल रही है। 7 अगस्त से शुरू हुए इस मुकाबले से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। नियमित कप्तान शुभमन गिल चोट के कारण मैच के पहले दिन नहीं खेलेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में केएल राहुल टीम की कप्तानी संभालेंगे। बीसीसीआई ने शुभमन गिल की चोट पर अपडेट जारी करते हुए बताया कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान उनके दाएं हाथ की रिंग फिंगर (अनामिका) में चोट लग गई। एहतियात के तौर पर उन्हें वॉर्म-अप मैच के पहले दिन आराम दिया गया है। फिलहाल बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी चोट पर लगातार नजर बनाए हुए है। अब सभी की नजर इस बात पर रहेगी कि गिल मैच के दूसरे दिन मैदान पर उतरते हैं या

नहीं। श्रीलंका दौरे से पहले भारतीय टीम पहले ही चोटों की समस्या से जूझ रही है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजी की अगुआई मोहम्मद सिराज करेंगे। इसके अलावा साई सुदर्शन भी चोट से उबर रहे हैं और बेंगलुरु में रिहैब कर रहे हैं। वहीं हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर भी चोट के चलते पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। उससे पहले खेला जा रहा यह वॉर्म-अप मुकाबला भारतीय खिलाड़ियों के लिए स्थानीय मौसम, पिच और परिस्थितियों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

एशियाई खेलों में पदार्पण को तैयार कमलजीत बोले- माता-पिता ने कभी हार नहीं मानने दी

नई दिल्ली,(ए)। हरियाणा के रेवाड़ी के 22 वर्षीय निशानेबाज कमलजीत एची-नागोया-2026 एशियाई खेलों में पहली बार भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में उतरने वाले कमलजीत ने अपने संघर्ष, परिवार के त्याग और भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की पारदर्शी चयन प्रक्रिया को अपनी सफलता का सबसे बड़ा आधार बताया।कमलजीत ने बताया कि उनका खेल सफर एथलेटिक्स से शुरू हुआ था, लेकिन चोट के कारण उन्हें ट्रैक छोड़ना पड़ा। इसके बाद उन्होंने 2019 में पिस्टल शूटिंग अपनाई और आज देश के शीर्ष निशानेबाजों में शामिल हैं।

शतरंज की दुनिया में भारत का डंका! 20 साल के प्रज्ञानंद ने अमेरिका में रचा इतिहास; घर ले गए 47 लाख रुपए

सेंट लुईस (ए)। भारतीय शतरंज के युवा सनसनी आर. प्रज्ञानंद ने एक बार फिर पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। अमेरिका में आयोजित प्रतिष्ठित ग्रैंड चेस टूर (त्रष्टञ्ज) सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज़ 2026 के रोमांचक मुकाबले में उन्होंने ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज की है। 20 वर्षीय इस होनहार ग्रैंडमास्टर ने पांच दिनों तक चले इस पूरे टूर्नामेंट में ऐसा दबदबा बनाया कि विरोधी खिलाड़ी उनके सामने पानी भरते नजर आए। अपनी इस जादुई जीत के साथ ही उन्होंने लाखों रुपये की इनामी राशि भी अपने नाम कर ली है। टूर्नामेंट के पहले दिन से ही प्रज्ञानंद गजब की लय में नजर आ रहे थे और उन्होंने रैपिड राउंड से ही अपनी मजबूत बढ़त बना ली थी। ब्लिट्ज मुकाबलों के दौरान भी उन्होंने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को आगे निकलने का एक भी मौका नहीं दिया।

शतरंज की दुनिया में भारत का डंका! 20 साल के प्रज्ञानंद ने अमेरिका में रचा इतिहास; घर ले गए 47 लाख रुपए

सेंट लुईस (ए)। भारतीय शतरंज के युवा सनसनी आर. प्रज्ञानंद ने एक बार फिर पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। अमेरिका में आयोजित प्रतिष्ठित ग्रैंड चेस टूर (GCT) सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज़ 2026 के रोमांचक मुकाबले में उन्होंने ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज की है। 20 वर्षीय इस होनहार ग्रैंडमास्टर ने पांच दिनों तक चले इस पूरे टूर्नामेंट में ऐसा दबदबा बनाया कि विरोधी खिलाड़ी उनके सामने पानी भरते नजर आए। अपनी इस जादुई जीत के साथ ही उन्होंने लाखों रुपये की इनामी राशि भी अपने नाम कर ली है।

उज्बेकिस्तान के दिग्गज को चटाई धूल

टूर्नामेंट के पहले दिन से ही प्रज्ञानंद गजब की लय में नजर आ रहे थे और उन्होंने रैपिड राउंड से ही अपनी मजबूत बढ़त बना ली थी। ब्लिट्ज मुकाबलों के दौरान भी उन्होंने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को आगे निकलने का एक भी मौका नहीं दिया। पेनुल्टीमेट राउंड में सिंदारोव के खिलाफ एक बेहद चुनौतीपूर्ण एंडगेम को ड्रॉ करवाकर भारतीय स्टार ने एक राउंड बाकी रहते ही ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया। प्रज्ञानंद ने कुल 23.5 अंकों के साथ टॉप पर रहते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं, 22 अंकों के साथ सिंदारोव दूसरे और अमेरिका के वेस्ले सो 21.5 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर रहे।

करोड़ों के इनाम वाले फाइनल्स पर अब नजर

अपने करियर का यह पहला सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज खिताब जीतने पर प्रज्ञानंद को 50,000 डॉलर (लगभग 47 लाख रुपये) की भारी-भरकम प्राइज मनी और 13 जीसीटी पॉइंट्स से नवाजा गया है। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर वह ग्रैंड चेस टूर 2026 की ओवरऑल पॉइंट्स टेबल में 24.5 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर छलांग लगा चुके हैं। अब वह पहले नंबर पर मौजूद फैबियानो कारुआना (25 पॉइंट्स) से महज आधे अंक पीछे हैं। इस टूर्नामेंट की समाप्ति के बाद अब दुनिया भर के टॉप खिलाड़ियों की नजरें 10 अगस्त से शुरू हो रहे 'सिंक्वेफील्ड कप' पर टिक गई हैं। यह क्लासिकल इवेंट ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स में एंट्री पाने का आखिरी और सबसे बड़ा मौका है, जहां चोटी के चार खिलाड़ी 200,000 डॉलर के महा-इनाम के लिए अपनी दिमागी ताकत आजमाएंगे।

डुरंड कपः दिल्ली एससी की एकतरफा जीत, डिफेंडर्स एफसी को 7-0 से हराया

रांची, (ए.)। रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए डुरंड कप के चौथे मुकाबले में दिल्ली

एससी ने डिफेंडर्स एफसी को 7-0 से करारी शिकस्त दी। दिल्ली एससी ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और पहले 11 मिनट में तीन गोल दागकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली।

दिल्ली एससी ने पांचवें मिनट में गोल कर अपना खाता खोला। इसके दो मिनट बाद सातवें मिनट में दूसरा गोल किया, जबकि 11वें मिनट में तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। लगातार हमलों से दिल्ली की टीम ने डिफेंडर्स एफसी को दबाव में बनाए रखा। 34वें मिनट में चौथा गोल कर दिल्ली ने अपनी बढ़त 4-0 कर ली। पहले हाफ के समाप्त होने तक डिफेंडर्स एफसी की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी।

दूसरे हाफ में डिफेंडर्स एफसी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन दिल्ली एससी की मजबूत रक्षापंक्ति और बेहतर तालमेल के सामने उसके प्रयास नाकाफी साबित हुए। दिल्ली ने मुकाबले के अंतिम क्षणों में गोलों की झड़ी लगा दी। 88वें मिनट में पांचवां गोल करने के बाद टीम ने 90वें मिनट में लगातार दो गोल दागे और स्कोर 7-0 कर दिया।पूरे मुकाबले में दिल्ली एससी के खिलाड़ियों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिला। तेज पासिंग, गेंद पर बेहतर नियंत्रण और आक्रामक रणनीति के दम पर दिल्ली की टीम ने अधिकांश समय खेल पर नियंत्रण बनाए रखा।

कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में हारीं तन्वी शर्मा

असान (दक्षिण कोरिया),(ए)। भारत की 17 वर्षीय स्टार शटलर तन्वी शर्मा का कोरिया मास्टर्स 2026 में शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें ऑल-इंडियन मुकाबले में रक्षिता रामराज ने 18-21, 21-19, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर सबसे कम उम्र की चैंपियन बनने वाली तन्वी ने पहला गेम अपने नाम कर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, रक्षिता ने दमदार वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा गेम जीत लिया। इस जीत के साथ रक्षिता ने तन्वी के खिलाफ अपना आमने-सामने का रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।हार के बावजूद तन्वी ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में कई उच्च रैंकिंग खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया, जिससे इस महीने होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप से पहले उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

28 अगस्त से विमेंस एशिया कप की शुरुआत, इस दिन खेला जाएगा भारत-पाकिस्तान के बीच 'हाईवोल्टेज मैच'

नई दिल्ली (ए)। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने गुरुवार को विमेंस एशिया कप 2026 के शेड्यूल का ऐलान किया है, जिसकी शुरुआत 28 अगस्त से होगी। भारत और पाकिस्तान को विमेंस एशिया कप 2026 के 'ग्रुप-ए' में रखा गया है। दोनों टीमें 5 सितंबर को 'हाई-वोल्टेज मैच' में आमने-सामने होंगी।

यह विमेंस एशिया कप का छठा संस्करण होगा जो टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें 8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। 'ग्रुप-ए' में भारत और पाकिस्तान के साथ थाईलैंड और हांगकांग (चीन) शामिल हैं, जबकि 'ग्रुप-बी' में श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और इंडोनेशिया को रखा गया है।प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष-2 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसका खिताबी मैच 13 सितंबर को आयोजित हागा। सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में फ्लडलाइट्स में खेले जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि विमेंस एशिया कप की शुरुआत साल 2004 में हुई थी। शुरुआती 4 संस्करण वनडे फॉर्मेट में खेले गए, जिन्हें भारत ने अपने नाम किया। इसके बाद साल 2012 से अब तक इस प्रतियोगिता को टी20 फॉर्मेट में खेला गया है। साल 2012 और 2016 में भारत ने पाकिस्तान को मात देकर खिताब अपने नाम किया था, जिसके बाद साल 2018 का खिताब बांग्लादेश ने भारत को मात देकर जीता था।साल 2022 में भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 8 विकेट से जीत हासिल करते हुए सातवीं बार विमेंस एशिया कप ट्रॉफी जीती। साल 2024 में दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने थीं, लेकिन इस बार श्रीलंका ने 8 विकेट से जीत दर्ज करते हुए अपना पहला खिताब जीता।

महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल
28 अगस्त: थाईलैंड बनाम हांगकांग, (चीन)
29 अगस्त: श्रीलंका बनाम यूएई
30 अगस्त: भारत बनाम थाईलैंड
31 अगस्त: बांग्लादेश बनाम इंडोनेशिया
1 सितंबर: पाकिस्तान बनाम थाईलैंड
2 सितंबर: श्रीलंका बनाम इंडोनेशिया
3 सितंबर: भारत बनाम हांगकांग (चीन)
4 सितंबर: यूएई बनाम इंडोनेशिया
5 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तान
6 सितंबर: श्रीलंका बनाम बांग्लादेश
7 सितंबर: पाकिस्तान बनाम हांगकांग (चीन)
8 सितंबर: बांग्लादेश बनाम यूएई
10 सितंबर: सेमीफाइनल 1 (ए1 बनाम बी2)
11 सितंबर: सेमीफाइनल 2 (बी1 बनाम ए2)
13 सितंबर: फाइनल

आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह ने किया डोलरिया विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण

माखननगर में गैर शैक्षणिक कार्य में संलग्न 3 शिक्षको का तत्काल प्रभाव से संलग्नीकरण किया समाप्त बोर्ड परीक्षाओं का 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने हेतु अधिकारियो को दिए निर्देश

नर्मदापुरम् (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह ने शा उमावि डोलारिया का ओचक निरिक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कक्षा 9,10,11,12 की कक्षाओं में छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक स्तर को देखा। कक्षा 9 वी में गणित का पढा रही शिक्षिका संध्या तिवारी माध्यमिक शिक्षक के द्वारा परिमेय संख्या के सवालो को हल कराया जा रहा था। आयुक्त के द्वारा परिमेय संख्याओं का हल बच्चो से एक सवाल लेकर उसका हल कराया छात्राओं के द्वारा बोर्ड पर सवाल को हल किया गया। आयुक्त ने विद्यार्थियों की सराहना की। कक्षा 12वी में रसायन पढा रही शिक्षिका नीलिमा कोरडे उच्च माध्यमिक शिक्षिका के द्वारा विलय, विलायक एवं विलयन के टॉपिक पर विद्यार्थियों से सवाल किए विद्यार्थियों ने आयुक्त को उत्तर दिया गया। आयुक्त ने विद्यार्थियों की प्रशंसा की एवं कक्षा में उनका अधिक अंक लाने हेतु मार्गदर्शन किया।कक्षा 12 वी में अर्थशास्त्र में ज्योति खन्ना उच्च माध्यमिक शिक्षक ने मांग एवं आपूर्ति पढा रही थी स्वयं आयुक्त ने बोर्ड पर विधार्थियों को एक शिक्षक की भूमिका में विस्तृत रूप से इस टॉपिक पर मार्गदर्शन दिया और विद्यार्थियों ने भी आयुक्त द्वारा विद्यार्थियों से पूछे गये प्रश्नों का संतुष्टि पूर्ण विद्यार्थियों ने उत्तर दिया। कक्षा 11 राजनीतिशास्त्र विषय में अतिथि शिक्षक दीप्ति सोलंकी ने शिक्षण कक्ष में संविधान के मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य विषय वस्तु पढा रही थी। विद्यार्थियों से मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। आयुक्त ने विधार्थियों से पूछे गये प्रश्नो का उत्तर कक्षा में अध्ययन कर रहे विधार्थियों ने संतुष्टि पूर्वक दिया। आयुक्त ने विद्यार्थियों की प्रशंसा की। आयुक्त ने प्राचार्य कक्ष में विद्यालय में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य शिक्षक शिक्षिकाओं की बैठक ली गई तथा विद्यालय में सभी शिक्षको को अपने विषय का 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने हेतु निर्देशित किया। विद्यालय परिसर में बरसात के कारण जमा होने वाले पानी की निकासी एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एलएन प्रजापति को निर्देश दिए। आयुक्त ने विकासखंड माखन नगर में गैर शैक्षणिक कार्य में तहसीलदार माखननगर के द्वारा संलग्न किये गए 3 शिक्षकों कृष्ण कुमार बरकरे संतोष कुमार तिवारी राजेश कुमार मालवीय को तत्काल अपनी मूल संस्था हेतु कार्यमुक्त कराया गया एवं जिला शिक्षा अधिकारी एलएन प्रजापति को निर्देश दिए की किसी भी अधिकारी के द्वारा किसी भी शिक्षक को गैर शैक्षणिक कार्य में संलग्न नहीं किया जाए और यदि कोई भी शिक्षक गैर शैक्षणिक कार्य में संलग्न पाया जाता है तो सम्बंधित शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किये जाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान कैंप गुवाड़ी सिवनी मालवा का अवलोकन किया और स्कूल शिक्षा विभाग की संचालित योजनाओ की जानकारी ली। उपस्थित विभागीय अधिकारियों को वर्ष 2026.27 की बोर्ड परीक्षाओ का परीक्षा फल परिणाम 100 प्रतिशत लाने हेतु सभी विभागीय अधिकारिओ को निर्देश दिये।

आयुक्त के साथ निरीक्षण के समय जेडी अरुण कुमार इंगले डीईओ एलएन प्रजापति डीपीसी डॉ राजेश जायसवाल। राजेश गुप्ता तथा कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

भारत पेंशनर्स समाज ने विधायक डॉ शर्मा से की भेंट

नर्मदापुरम् (निप्र)। भारत पेंशनर्स समाज जिला शाखा के प्रतिनिधि मंडल ने विधायक डॉ सीतासरन शर्मा से भेंट कर मध्य प्रदेश के पेंशनर्स को भी केंन्द्र के समान महगाई राहत देने की मांग की। वर्तमान में केन्द्रीय सरकार के पेंशनर्स को 60 प्रतिशत महगाई भत्ता मिल रहा है वही मध्य प्रदेश के कर्मचारीयो को 58 प्रतिशत मिल रहा है प्रतिनिधि मंडल राज्य पुर्नगठन आयोग की धारा 49 में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ राज्य की आपसी सहमति के बाद महगाई राहत की अनिवार्यता को समाप्त कराने में विधायक द्वारा जो सकारात्मक प्रयास किये गये मुख्य मंत्री एवं प्रशासनिक स्तर पर जो कार्यवाही की गई इस हेतु भारत पेंशनर्स समाज की तरफ से धन्यवाद प्रषित किया गया। प्रतिनिधि मंडल में जिला शाखा अध्यक्ष प्रभात पांडे संरक्षक डॉ एलएल शर्मा संभागीय अध्यक्ष राजेश चौरे संभागीय सचिव राजेन्द्र ठाकुर सचिव ओपी गुप्ता डा प्रदीप जैन चंद्रशेखर ठाकुर आदी उपस्थित थे।

पक्के अतिक्रमण पर चली नपा की जेसीबी
वक्रतुंड काम्प्लेक्स में नाली कर दी थी चोक

नर्मदापुरम् (निप्र)। बारिश के दिनों में स्वच्छता को लेकर नपा का अमला अलर्ट मोड में हैं। जहां कहीं से जल भराव की सूचना आती है उस पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को वक्रतुंड काम्प्लेक्स में नाली चोक की शिकायत पर स्वच्छता टीम व राजस्व की टीम पहुंची और जांच कर जेसीबी की मदद से पक्का अतिक्रमण हटाया गया। जिससे काम्प्लेक्स की जलनिकासी सुचारू हो गई।'स्वच्छ भारत अभियान नोडल अनुराग तिवारी ने नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के सख्त निर्देश पर बारिश में स्वच्छता टीम अलर्ट मोड पर है। उन्होंने बताया कि वक्रतुंड काम्प्लेक्स की नाली पर पक्का अतिक्रमण कर लिया था जिसके चलते वहां गंदगी फैल रही थी। जल निकासी अवरूद्ध हो गई थी। आमजन की शिकायत पर तत्काल जेसीबी से अतिक्रमण हटाकर पानी निकासी सुचारू कराई गई। कार्रवाई के दौरान राजस्व शाखा के एआरआई शेख अकबर खान सहित पूरी टीम उपस्थित रही।

वीआईपी रोड से 3 ठेले जब्त
समझाइश के बाद भी कर रहे थे मार्ग अवरूद्ध

नर्मदापुरम् (निप्र)। नगरपालिका के अतिक्रमण दल द्वारा यातायात सुगम बनाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए वीआईपी रोड से 3 ठेले जब्त किए गए हैं। इससे पूर्व उन्हें कई बार मार्ग अवरूद्ध न करने की समझाइश दी गई थी। अतिक्रमण दल के शेख सिकंदर ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में नगर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को एसएनजी स्कूल, नेहरू पार्क चौराहा और एसपी आफिस चौराहा आदि स्थानों पर मार्ग अवरूद्ध करने वाले फल एवं सब्जी विक्रेताओं को हटाए गए और तीन ठेले जब्त किए गए। साथ ही फल एवं सब्जी विक्रेताओं को अपने निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया। समझाइश दी गई कि अपने निर्धारित स्थान पर ही व्यवसाय करें।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का हुआ शुभारंभ
अभियान के तहत ग्राम पंचायत ग्वाड़ी में लगा पहला जन संवाद शिविर शासन-प्रशासन ने नागरिकों से किया सीधा संवाद

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेशभर में 7 अगस्त से प्रारंभ हुए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत नर्मदापुरम जिले में प्रथम जन संवाद शिविर का आयोजन शुक्रवार को सिवनी मालवा विकासखंड की ग्राम पंचायत ग्वाड़ी में किया गया। अभियान अंतर्गत प्रदेश भर में शिविरों का आयोजन कर नागरिक सेवाओं के सफल एवं सुचारु संचालन को सुनिश्चित किए जाने के लिए शासन एवं प्रशासन प्रत्येक शुक्रवार को जनता से रूबरू होंगे एवं उनकी बातों को सुना जाएगा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में शासन एवं प्रशासन ने नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 का संचालन 7 अगस्त 2026 से लेकर 8 जनवरी 2027 तक की अवधि में किया जाएगा।

कार्यक्रम में सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जन विश्वास अभियान का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के साथ-साथ शासन और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को और अधिक मजबूत बनाना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं भी प्रदेश के विभिन्न जिलों में पहुंचकर नागरिकों से सीधे संवाद कर रहे हैं और इसी क्रम में वे शुक्रवार को छिंदवाड़ा में आयोजित जन विश्वास अभियान में शामिल हुए।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त श्रीमती निधि निवेदिता ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग केवल योजनाओं का क्रियान्वयन ही नहीं, बल्कि स्वस्थ बालक, सशक्त महिला एवं समृद्ध परिवार की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने कुपोषण उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि जिले का कोई भी बच्चा कुपोषित न रहे, इसके लिए सभी महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्य समन्वित विभागों को प्रत्येक प्रभावित बच्चे के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्य करना होगा। उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नर्मदापुरम जिले की सराहना करते हुए कहा कि पात्र परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने हथनापुर में शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनवाड़ी एवं उर्वरक वितरण व्यवस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

संभागायुक्त बने शिक्षक, बच्चों को पढ़ाकर परखी शिक्षा की गुणवत्ता

स्वास्थ्य केंद्र में बीपी-शुगर जांच करवाकर लिया वास्तविक स्वास्थ सेवा का किया आंकलन

नर्मदापुरम् (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत नर्मदापुरम संभाग के संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने विकासखंड सिवनी मालवा के ग्राम हथनापुर में विभिन्न शासकीय संस्थानों का औचक निरीक्षण कर शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा कृषि विभाग से संबंधित व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण के निर्देश दिए।

प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक बनकर बच्चों को पढ़ाया

संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन किया। उन्होंने स्वयं शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों के बीच बैठकर गणित के सवाल सरल तरीके से समझाए। साथ ही विद्यार्थियों से पाठ्यपुस्तक पढ़वाकर उनकी पठन क्षमता का परीक्षण किया तथा सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछकर उनकी समझ एवं सीखने की क्षमता परखी। बच्चों ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का भी परीक्षण किया।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों संग किया आत्मीय संवाद

संभागायुक्त श्री बनोठ ने हथनापुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों की बौद्धिक एवं मानसिक विकास गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों के बीच बैठकर आत्मीय संवाद किया तथा रंगों की पहचान जैसी रोचक गतिविधियों के माध्यम से उनकी जिज्ञासा, स्मरण शक्ति एवं सीखने की क्षमता का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र के विभिन्न रजिस्टरों की जांच की तथा बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार एवं टेक होम राशन (टीएचआर) की जानकारी प्राप्त की। केंद्र प्रभारी से सैम एवं मैम श्रेणी के बच्चों की संख्या, उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे पोषण आहार तथा धात्री महिलाओं के पंजीयन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार का स्वाद लेकर उसकी गुणवत्ता भी जांची।

उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की परखी हकीकत

संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने ग्राम पंचायत ग्वाड़ी के उप स्वास्थ्य केंद्र हथनापुर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने उपलब्ध रजिस्टरों का परीक्षण किया तथा गर्भवती महिलाओं को प्रदान की जा रही सुविधाओं, उपचार व्यवस्था एवं दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध उपकरणों का निरीक्षण किया तथा स्वयं ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच कराकर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का भी आकलन किया।

लायंस क्लब नर्मदापुरम मेन की नवीन कार्यकारिणी का गठन

लायन हरिसिंह चौहान को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

नर्मदापुरम् (निप्र)। सामाजिक सेवा एवं मानवता के प्रति समर्पित अग्रणी संस्था लायंस क्लब नर्मदापुरम मेन की नवीन कार्यकारिणी का गठन आनंद होटल में गरिमामय संस्थापन समारोह के दौरान संपन्न हुआ। समारोह में लायन हरिसिंह चौहान को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं उनकी टीम को 26-27 सत्र हेतु कार्यभार ग्रहण कराया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गेट एरिया लीडर लायन मनीष शाह पिपरिया उपस्थित रहे। साथ ही संस्थापान अधिकारी एफडीआई एडवाइजर लायन प्रकाश सेठ पीडीजी लायन दिलीप धारीवाल इंडक्शन अधिकारी लायन संजीव मालवीय रीजन चेयरपर्सन लायन उर्वशी शाह पूर्व केबिनेट सेकेट्री एवं एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी लायन डीएस डांगी जोन चेयरपर्सन लायन डॉ जेपी मालवीय विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गेट एरिया लीडर लायन मनीष शाह एवं ब्रांड एंबेसडर नर्मदापुरम लायन डीएस डांगी का समस्त लायन परिवार द्वारा सम्मान किया गया। आयोजन समिति अध्यक्ष लायन एसके बरेले एवं संरक्षक लायन डॉ अतुल सेठा को विशिष्ट सेवाओं के लिए मुख्य अतिथी ने सम्मानित किया। क्लब के समस्त सदस्यों को पिन लगाकर सम्मानित किया गया संरक्षक मुन्नालाल जैन आयोजन समिति अध्यक्ष सुभाष बरेले सचिव लायन आरके गुबरेले सहित समस्त पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यकारिणी में अध्यक्ष लायन हरिसिंह चौहान के साथ सचिव लायन पवन शुक्ला कोषाध्यक्ष लायन आरके चौधरी पूर्व अध्यक्ष निशांत फौजदार एमओसी लायन ललित सोनी एवं लायन समर्पिता सोनी तथा सदस्यगण लायन अमोल जैन लायन देवेंद्र वर्मा लायन केएस राजपूत लायन ओपी बावरिया लायन राकेश चौहान लायन कामेश जायसवाल लायन शिवमंगल सिंह चौहान लायन मोहित चौकसे एवं लायन चंद्रशेखर शर्मा शामिल रहे। कार्यक्रम में लायंस क्लब पिपरिया बरेली बाबई लायंस क्लब होशंगाबाद आयुष एवं भोपाल से आए अतिथियों ने सहभागिता की। प्रमुख रूप से लायन सुयश कुलश्रेष्ठ अध्यक्ष लायंस क्लब होशंगाबाद आयुष डॉन आरके गख्खर लायन डॉ शैलेंद्र नेमा आरसी लायन मनीष गुप्ता सहित रूद्र एन्क्लेव के नाइट राइडर ग्रुप वरिष्ठजन पार्क के घुमंतू ग्रुप एवं मातृशक्ति की सक्रिय सहभागिता उल्लेखनीय रही। मातृशक्ति में लायन मिथिलेश राजपूत लायन भारती डांगी लायन अनुराधा चौधरी लायन आभा गुबरेले एवं लायन रत्ना बरेले सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। समारोह में सेवाए समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

8 अगस्त से पचमढ़ी की वादियों में गूंजेगा हर हर महादेव का जयकारा
17 अगस्त तक आयोजित होगी मध्य प्रदेश के अमरनाथ कहे जाने वाली नागद्वारी यात्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। आज से अमरनाथ कहे जाने वाली नागद्वारी यात्रा का शुभारंभ होगा। साथ ही 8 अगस्त से 17 अगस्त की अवधि तक 10 दिवसीय भव्य नागद्वारी मेले का आयोजन भी नर्मदापुरम जिला प्रशासन के तत्वाधान में किया जाएगा।मेले की समस्त तैयारी पूरी कर ली गई है तथा ड्यूटी में संलग्न समस्त अधिकारी भी ड्यूटी स्थल पर पहुंच चुके हैं। इस वर्ष नागद्वारी मेले का आयोजन ग्रीन एवं प्लास्टिक मुक्त मेले की थीम पर किया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मेले में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की सघन जांच की जाए तथा प्लास्टिक की बोतलों एवं अन्य एकल-उपयोग प्लास्टिक सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए। जांच स्थल पर यह सुनिश्चित किया जाए कि वाहनों में कितनी प्लास्टिक की बोतलें मेले के भीतर ले जाई जा रही हैं, तथा कोई भी पर्यटक पचमढ़ी क्षेत्र में प्लास्टिक की बोतलें छोड़कर न जाए और पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य प्रभावी रूप से पूरा हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सभी वाहनों पर समान रूप से लागू होगी, चाहे वे अधिकारियों के ही वाहन क्यों न हों।कलेक्टर ने कहा कि मेला समिति श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करे, जिससे दर्शन एवं यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि इस वर्ष नागद्वारी मेले का आयोजन ग्रीन मेले की थीम पर किया जाए तथा इसे पूर्णत: प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रभावी एवं व्यवहारिक कदम उठाए जाएं।

कलेक्टर ने मेले के दौरान स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि कचरे के संग्रहण एवं वैज्ञानिक निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

स्प्रिंगडेल्स स्कूल की छात्रा प्रांजल श्रीनगर में दिखाएंगी अपनी खेल प्रतिभा

मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी

राष्ट्रीय सेपक-टकरॉ चैम्पियनशिप के लिए स्प्रिंगडेल्स की छात्रा प्रांजल लुटारे का चयन

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल नर्मदापुरम की प्रतिभाशाली छात्रा प्रांजल लुटारे का चयन 29 वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय सेपक टकरॉ चैम्पियनशिप के लिए मध्यप्रदेश टीम में हुआ है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर में आयोजित होगी जहाँ देशभर के उत्कृष्ट खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।प्रांजल ने अपनी मेहनत अनुशासन निरंतर अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनके चयन से विद्यालय नर्मदापुरम एवं पूरे मध्यप्रदेश में हर्ष का वातावरण है। यह उपलब्धि विद्यालय के लिए भी गर्व का विषय है और अन्य विद्यार्थियों को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।डायरेक्टर सुभाशीष चटर्जी प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी एवं समस्त स्टाफ ने प्रांजल को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ.साथ खेल एवं सह.पाठ्यक्रम गतिविधियों को समान महत्व देता है। प्रांजल की सफलता इसी सकारात्मक वातावरण और उनकी अथक मेहनत का परिणाम है।विद्यालय परिवार ने प्रांजल के प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि प्रांजल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश एवं नर्मदापुरम का नाम गौरवान्वित करेंगी।

शांतिनिकेतन में हुआ साइंस एग्जीबिशन का आयोजन

प्रदर्शनी शाला के तीनों विभागो प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर हुई आयोजित

नर्मदापुरम् (निप्र)। शांतिनिकेतन मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नर्मदापुरम में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। इस एग्जीबिशन को शाला के तीनों विभागो प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश शर्मा प्राचार्य शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल एसपीएम थे। सर्वप्रथम शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज ने मुख्य अतिथि राजेश शर्मा का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने साइंस एग्जीबिशन का उद्घाटन शाला की चेयरपर्सन श्रीमती जॉर्ज एवं शाला के शिक्षक शिक्षकों की उपस्थिति में रिबन काटकर किया। इस साइंस एग्जीबिशन का आयोजन शाला प्राचार्य डॉ के एम जॉर्ज के मार्गदर्शन में एवं शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज के निर्देशानुसार किया गया। सभी विभागों के अलग-अलग इंचार्ज बनाए गए। संपूर्ण कार्यक्रम का मैनेजमेंट शाला की शिक्षिका संगीता बोरासी एवं शाला के क्लर्क राजकुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस साइंस एग्जीबिशन को विषय वार एक एक कक्ष प्रदान किया गया और उसी कक्ष में संबंधित विषय के वर्किंग एवं नॉन वर्किंग मॉडलों को प्रदर्शित किया गया। सभी कक्षाओं को विषय वार एवं व्यवस्थित तथा सुसज्जित किया गया जिनमें साइंस सामान्य ज्ञान मोरल साइंस संस्कृत हिंदी मैथ्स सोशल साइंस इंग्लिश आर्ट एंड क्राफ्ट कंप्यूटर आईपी खेल विभाग म्यूजिक कॉमर्स ह्यूमैनिटीज एवं प्राइमरी की प्रत्येक कक्षाओं को भी इसी क्रम में सुव्यवस्थित रूप से सजाया गया। विद्यार्थियों में साइंस एग्जीबिशन को लेकर खासा उत्साह देखा गया। इस साइंस एग्जीबिशन में विद्यार्थियों ने अपने विचारों को साकार रूप प्रदान किया। इस अवसर पर शाला की चेयरपर्सन श्रीमती जॉर्ज ने साइंस एग्जीबिशन के सफल आयोजन पर सभी विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com